सत्यमेव जयते

राज भवन पत्रिका

फरवरी, 2025 -जुलाई, 2025

राज भवन, राँची, झारखण्ड

राज्य की उच्च शिक्षा में गुणात्मक सुधार हेतु प्रतिबद्ध

आज का युग ज्ञान का युग है जो विचारों को दिशा देता है, समाज को जागरूक बनाता है और राष्ट्र को प्रगति के पथ पर आगे बढ़ाता है। जब कोई व्यक्ति ज्ञान से समृद्ध होता है, तब वह केवल स्वयं को ही नहीं, बल्कि अपने पूरे परिवेश को सकारात्मक रूप से प्रभावित करता है। इसी कारण शिक्षा को 'प्रकाश' कहा गया है – एक ऐसा प्रकाश, जो अंधकार को मिटाता है, विवेक को जगाता है और आत्मबल प्रदान करता है।

यदि बात उच्च शिक्षा की करें तो यह केवल ज्ञानार्जन का माध्यम नहीं, बल्कि विवेक, मूल्य और दृष्टिकोण के निर्माण की प्रक्रिया है। यह न केवल विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास का आधार है, बल्कि उनके चरित्र निर्माण, दृष्टिकोण विस्तार और सामाजिक उत्तरदायित्व के बोध का भी माध्यम है। विश्वविद्यालयों की भूमिका केवल डिग्रियां प्रदान करने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उन्हें ऐसे चिंतनशील नागरिकों को गढ़ने का दायित्व निभाना चाहिए, जो राष्ट्र की सुदृढ़ नींव बन सकें।

उच्च शिक्षा किसी भी राज्य की बौद्धिक और सामाजिक प्रगति की आधारशिला होती है। एक समृद्ध और जागरूक समाज के निर्माण के लिए आवश्यक है कि हमारी विश्वविद्यालय प्रणाली गुणवत्तापूर्ण, उत्तरदायी और नवाचारयुक्त हो। झारखण्ड के राज्यपाल तथा राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति के रूप में मैं यह स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि –राज्य की उच्च शिक्षा में गुणात्मक सुधार लाने हेतु मैं पूर्णतः प्रतिबद्ध हूं। मेरे द्वारा राज्य के सभी विश्वविद्यालयों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने अकादमिक कैलेंडर का हर हाल में पालन करें। विश्वविद्यालयों द्वारा समय पर परीक्षा, मूल्यांकन एवं परिणाम घोषित किए जाएं। साथ ही, नियमित कक्षाओं के संचालन, शोध की गुणवत्ता और वित्तीय अनुशासन के संदर्भ में भी स्पष्ट निर्देश दिये गए हैं। राज भवन का द्वार सभी के लिए सदैव खुला है। राज भवन को आम जनमानस से जोड़ा गया है। विशेषकर विद्यार्थियों से संवाद के माध्यम से विश्वविद्यालयों की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों की यथार्थ जानकारी प्राप्त होती है, जो सुधार की दिशा में ठोस निर्णयों को आधार प्रदान करती है।

राज्य के कई विश्वविद्यालयों में मेरे कार्यभार ग्रहण से पूर्व लंबे समय से कुलपतियों के पद रिक्त थे। इन पदों पर प्राथमिकता के साथ पारदर्शी तरीके से नियुक्तियां की गईं। साथ ही, जहां–जहां कुलपति अथवा प्रतिकुलपति के कार्यकाल की समाप्ति संभावित थी, वहां समय

से पूर्व (लगभग एक माह पहले ही) सर्च कमिटी का गठन कर पारदर्शी प्रक्रिया अपनाई गई। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों की कमी एक बड़ी बाधा रही है। इस संदर्भ में राज्य सरकार से आग्रह किया गया है कि इन आवश्यक पदों पर शीघ्र नियुक्तियां की जाएं, ताकि विद्यार्थियों को विषय–विशेषज्ञों का लाभ मिल सके, शिक्षण की गुणवत्ता में ठोस सुधार सुनिश्चित हो और विश्वविद्यालयों में प्रशासनिक कार्यकुशलता भी सुदृढ़ हो। राज्य में 'विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग' के गठन हेतु भी सरकार से अनुरोध किया गया है। मैं स्वयं राज्य के कुलपतियों, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा सचिव तथा अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ विश्वविद्यालयों की स्थिति पर नियमित समीक्षा करते हुए विभिन्न विषयों के समाधान की दिशा में ठोस पहल करने की चेष्टा करता हूं। सभी विश्वविद्यालयों में 'नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020' का क्रियान्वयन हो चुका है। इस नीति के सफल कार्यान्वयन हेतु राज भवन में कुलपतियों के साथ विशेष परिचर्चा आयोजित की गई जिसमें इस नीति को विश्वविद्यालयों की कार्य–संस्कृति में प्रभावी ढंग से समाहित करने हेतु ठोस मार्गदर्शन दिया गया।

स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार एक ऐसी शिक्षा नीति लाई गई है, जो भारत की संस्कृति, भाषाई विविधता, स्थानीय आवश्यकताओं एवं वैश्विक दृष्टिकोण को एक साथ समाहित करती है। यह केवल शिक्षा क्षेत्र में सुधार का दस्तावेज़ नहीं, बल्कि भारत को 'ज्ञान की महाशक्ति' बनाने की दिशा में एक दूरदर्शी पहल है। यह नीति माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के शिक्षा से विकास और कौशल से आत्मनिर्भरता के दृष्टिकोण को मूर्त रूप देती है। यह हमारे विद्यार्थियों को रटंत प्रणाली से बाहर निकालते हुए नवाचार, कौशल, संवाद और व्यावहारिक ज्ञान की दिशा में प्रेरित करती है।

मेरा दृढ़ विश्वास है कि यदि राज्य के सभी कुलपतिगण एवं विश्वविद्यालय प्रशासन समन्वय और संकल्प के साथ आगे बढ़ें, तो झारखण्ड उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक अनुकरणीय राज्य बन सकता है। अब समय आ गया है कि हम केवल चुनौतियों और संभावनाओं की चर्चा न करें, बल्कि उनके समाधान की दिशा में ठोस और रचनात्मक प्रयास करें। एक सशक्त झारखण्ड तभी संभव है, जब यहां की युवा पीढ़ी ज्ञान, कौशल और मूल्यों से समृद्ध हो।

राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति के नाते मेरा सतत प्रयास है कि झारखण्ड एक ऐसा 'एजुकेशन हब' बने, जहां न केवल राज्य, बल्कि देश भर से विद्यार्थी अध्ययन के लिए आकर्षित हों। एक ऐसी अकादमिक संस्कृति का निर्माण किया जाए, जो नवाचार को प्रोत्साहित करे, शोध को प्रासंगिक बनाए और युवाओं को आत्मविश्वासी एवं उत्तरदायी नागरिक बनाए। मैं विश्वविद्यालय प्रशासन, नीति–निर्माताओं, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से आह्वान करता हूं कि हम सब मिलकर झारखण्ड की उच्च शिक्षा को उस ऊंचाई तक पहुंचाएं, जहां से भावी पीढ़ियां गर्व के साथ प्रेरणा ले सकें।

राज भवन का यह प्रयास केवल एक प्रशासनिक दृष्टिकोण नहीं, बल्कि एक दूरदर्शी शैक्षिक दृष्टिकोण व पहल है जिसमें विद्यार्थी, शिक्षक, विश्वविद्यालय प्रशासन और नीति–निर्माता सभी मिलकर एक समग्र बदलाव की प्रक्रिया का हिस्सा बनें। उच्च शिक्षा में यह सुधार केवल नीतियों और योजनाओं का विषय नहीं, बल्कि हमारी साझा संकल्प शक्ति का परिणाम है। इस दिशा में प्रत्येक कदम हमें एक शिक्षित, आत्मनिर्भर और उन्नत झारखण्ड की ओर ले जाता है।

इस अंक में फरवरी 2025 से जुलाई 2025 तक की राजभवन की प्रमुख गतिविधियों को संक्षेप में प्रस्तुत किया गया है। मुझे विश्वास है कि यह प्रस्तुति न केवल पाठकों को राज भवन की कार्यशैली, प्रतिबद्धता और संवेदनशीलता से परिचित कराएगी, बल्कि झारखण्ड की उच्च शिक्षा को नई दिशा देने के प्रयासों की एक प्रेरक झलक भी प्रदान करेगी।

(संतोष कुमार गंगवार)
राज्यपाल, झारखण्ड

प्रधान सम्पादक की कलम से...

राज भवन पत्रिका (फरवरी, 2025 से जुलाई, 2025) का यह अंक आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत हर्ष हो रहा है। यह अंक न केवल राज भवन, झारखण्ड की विविध गतिविधियों, पहलों और आयोजनों की जानकारी प्रदान करता है, बल्कि माननीय राज्यपाल महोदय की जनसरोकारों के प्रति प्रतिबद्धता, संवेदनशीलता तथा उच्च शिक्षा में गुणात्मक सुधार हेतु किए गए सतत प्रयासों का सजीव दस्तावेज़ भी है।

राज्यपाल महोदय ने अपने सहज, विनम्र और संवेदनशील नेतृत्व के माध्यम से झारखण्ड में पीपुल्स गवर्नर की एक विशिष्ट छवि स्थापित की है। उन्होंने राज भवन को जनता से जोड़ने का कार्य किया है। राज भवन के द्वार सभी नागरिकों के लिए सहजता से सदैव खुले हैं। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि अब यह परिसर केवल एक संवैधानिक भवन न रहकर, संवाद और समाधान का एक जीवंत मंच बन गया है।

राज्य के विभिन्न जिलों से आने वाले नागरिक अब पूरी आशा और विश्वास के साथ अपनी समस्याएं लेकर राज भवन पहुंचते हैं। उनकी बातों को गंभीरता से सुना जाता है और समाधान की दिशा में समुचित कार्रवाई की जाती है। राज्यपाल महोदय स्वयं भी उन दुर्गम क्षेत्रों तक पहुंचते हैं, जहां आमतौर पर प्रशासनिक पहुंच सीमित होती है। उन्होंने राज भवन को 'आमजन के हितों के रक्षक' के रूप में प्रतिष्ठित किया है। राज्यपाल महोदय की कार्य शैली में उनके दीर्घकालिक संसदीय अनुभव और प्रशासनिक संवेदनशीलता का एक अद्वितीय समन्वय देखने को मिलता है। वे विभिन्न प्रतिनिधिमंडलों, विश्वविद्यालयों, सामाजिक संस्थाओं और प्रशासनिक अधिकारियों से निरंतर संवाद करते हैं, सुझाव आमंत्रित करते हैं तथा उपयुक्त सुझावों पर ठोस अमल भी सुनिश्चित करते हैं।

इस अवधि के दौरान माननीय राज्यपाल महोदय ने राज्य के विश्वविद्यालयों के दीक्षांत समारोहों में भाग लेकर विद्यार्थियों को प्रेरित किया तथा शिक्षा व्यवस्था को नवाचार और गुणवत्ता की दिशा में सुदृढ़ करने के लिए विभिन्न पहलें कीं। उनका दृढ़ विश्वास है कि एक शिक्षित, समावेशी और सशक्त झारखण्ड ही समृद्ध झारखण्ड का आधार बन सकता है।

यह पत्रिका न केवल राज भवन की गतिविधियों का संकलन है, बल्कि शासन और जनता के बीच उत्तरदायित्व, पारदर्शिता और संवाद के एक नए अध्याय की साक्षी भी है। मुझे विश्वास है कि यह अंक पाठकों को माननीय राज्यपाल महोदय की जन–संवेदनशील कार्यशैली से परिचित कराएगा तथा झारखण्ड की सामाजिक, शैक्षणिक और प्रशासनिक प्रगति की प्रेरक झलक भी प्रस्तुत करेगा।

(डॉ० नितिन मदन कुलकर्णी)
राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव
राज भवन, झारखण्ड एवं
प्रधान सम्पादक, राज भवन पत्रिका

कुलपतियों के साथ परिचर्चा

नयी शिक्षा नीति के मूल में कौशल व नवाचार : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल–सह–झारखण्ड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति श्री संतोष कुमार गंगवार की अध्यक्षता में राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के क्रियान्वयन एवं भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित विषय पर राज भवन में कुलपतियों के साथ परिचर्चा का आयोजन किया गया, जिसमें राष्ट्रीय सचिव, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली श्री अनिल कोठारी समेत शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के अन्य अधिकारीगण एवं राज्य के सभी सरकारी एवं निजी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने भाग लिया। राज्यपाल महोदय ने इस अवसर पर कहा कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद पहली बार एक ऐसी शिक्षा नीति बनाई गई है, जो भारत की प्रकृति, संस्कृति, भाषाई विविधता और विकास–यात्रा को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है। यह नीति केवल शिक्षा सुधार का दस्तावेज़ नहीं, बल्कि भारत को 'ज्ञान की महाशक्ति' बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। यह नीति माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 'शिक्षा से विकास और कौशल से आत्मनिर्भरता' के विज़न को मूर्त रूप देती है।

माननीय राज्यपाल ने कहा कि वे राज्य की उच्च शिक्षा की स्थिति में सुधार लाने हेतु पूर्णतः प्रतिबद्ध हैं। यदि सभी कुलपतिगण साथ दें,

विश्वास है कि झारखण्ड उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक अनुकरणीय राज्य बन सकता है। उन्होंने कहा कि वे उच्च शिक्षा में सुधार हेतु हर समय उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि अब समय है कि हम समस्याओं पर नहीं, समाधानों पर चर्चा करें और ठोस कदम उठाएँ। राज्यपाल महोदय ने विश्वविद्यालयों से कहा कि वे NEP–2020 के क्रियान्वयन हेतु प्रभावी टास्क फोर्स का गठन करें, नियमित समीक्षा बैठकें व नीति के विभिन्न पहलुओं पर कार्यशालाओं का आयोजन करें तथा तथा विद्यार्थियों को नीति के लाभों से अवगत कराएं। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि ज्ञान, व्यक्तित्व विकास और चरित्र निर्माण है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति छात्रों को रटंत प्रणाली से बाहर निकालते हुए नवाचार, कौशल और व्यावहारिक ज्ञान की ओर अग्रसर करती है। माननीय राज्यपाल ने कहा कि प्राचीन भारत कभी संपूर्ण विश्व के लिए शिक्षा का प्रमुख केन्द्र हुआ करता था। तक्षशिला, नालंदा, विक्रमशिला जैसे प्राचीन भारत के विश्वस्तरीय संस्थानों ने शिक्षण एवं शोध के उच्च प्रतिमान स्थापित किए। भारतीय विद्वानों ने गणित, खगोल, धातु, चिकित्सा और योग जैसे क्षेत्रों में संसार को अनुपम योगदान दिया है। भारतीय ज्ञान परंपरा ने सदियों से न केवल भारत, बल्कि सम्पूर्ण विश्व को प्रोत्साहित किया है। राज्यपाल महोदय ने सभी से झारखण्ड को एजुकेशन हब के रूप में विकसित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राज्य में एक ऐसी शैक्षणिक संस्कृति विकसित की जानी चाहिए जहां देशभर के विद्यार्थी अध्ययन हेतु आकर्षित हों।

राज्य की उच्च शिक्षा की स्थिति में सुधार लाने हेतु पूर्णतः प्रतिबद्ध हूँ। यदि सभी कुलपतिगण साथ दें, विश्वास है कि झारखंड उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक अनुकरणीय राज्य बन सकता है। उच्च शिक्षा में सुधार हेतु हर समय उपलब्ध हैं।

परिचर्चा के दौरान कुलपतियों ने भी अपने विचार साझा किए और अपने–अपने विश्वविद्यालयों में NEP–2020 के क्रियान्वयन की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। इस अवसर पर झारखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय–रांची, अरका जैन विश्वविद्यालय–जमशेदपुर, सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय–दुमका, अमिटि विश्वविद्यालय–रांची, रांची विश्वविद्यालय–रांची, झारखण्ड राय विश्वविद्यालय–रांची, विनोबा भावे विश्वविद्यालय–हजारीबाग, सरला बिरला विश्वविद्यालय–रांची, कोल्हान विश्वविद्यालय–चाईबासा, उषा मार्टिन विश्वविद्यालय–रांची द्वारा पावरपॉइंट के माध्यम से विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के क्रियान्वयन एवं भारतीय ज्ञान परंपरा पर प्रकाश डाला गया।

कुलपतियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक

उच्च शिक्षा में सुधार हेतु पूर्णतः प्रतिबद्ध हूँ : राज्यपाल

राज्यपाल महोदय ने उच्च शिक्षा में गुणात्मक सुधार के लिए कुलपतियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। माननीय राज्यपाल-सह-झारखण्ड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति श्री संतोष कुमार गंगवार ने राज भवन में राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में राज्य की उच्च शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ और गुणवत्तापूर्ण बनाने हेतु कई निदेश दिए गए। राज्यपाल महोदय ने कहा कि विश्वविद्यालयों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, समयबद्ध परीक्षा आयोजन, परिणाम प्रकाशन एवं शैक्षणिक कैलेंडर के कठोर अनुपालन को सुनिश्चित करना होगा। परीक्षा समाप्ति के एक माह के भीतर परिणाम घोषित कर देना अनिवार्य हो। उन्होंने प्रत्येक विश्वविद्यालय को समयबद्ध दीक्षांत समारोह आयोजित करने का निदेश भी दिया। राज्य में Gross Enrollment Ratio (GER) वर्तमान में राष्ट्रीय औसत से लगभग 10% कम है। इसके लिए विशेष रूप से ग्रामीण और दूरदराज़ क्षेत्रों में नामांकन बढ़ाने की दिशा में ठोस प्रयास करने की जरूरत है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि कुलपति केवल प्रशासक नहीं, बल्कि शैक्षणिक नेतृत्वकर्ता होते हैं। उनके दृष्टिकोण और प्रयास राज्य की उच्च शिक्षा को नई दिशा दे सकते हैं। उन्होंने PhD शोध की गुणवत्ता, मौलिकता एवं नवाचार पर विशेष ध्यान देने हेतु कहा। उन्होंने कहा कि कुछ शिक्षकों की कक्षा न लेने के संदर्भ में शिकायतें प्राप्त हुई हैं, ये गंभीर विषय है। सभी शिक्षक नियमित रूप से कक्षाएँ लें और कुलपति स्वयं भी कक्षा लेकर प्रेरणा का कार्य करें। उन्होंने विश्वविद्यालयों से रैंकिंग में सुधार हेतु ठोस प्रयास करने का आह्वान किया और कहा कि अब समस्या नहीं, समाधान पर चर्चा करें और झारखण्ड को उच्च शिक्षा में देश के अग्रणी राज्यों में स्थान दिलाएं। वित्तीय अनुशासन, पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने के लिए सभी विश्वविद्यालयों को समय पर वित्तीय अंकेक्षण कर उसकी प्रति राज भवन को उपलब्ध कराने का निदेश दिया गया। बैठक में क्रय-विक्रय एवं प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और भ्रष्टाचार के प्रति पूर्ण Zero Tolerance अपनाने की बात कही गई। राज्यपाल महोदय ने बैठक में निदेश दिया कि विश्वविद्यालयों में प्लेसमेंट सेल औपचारिकता तक सीमित रहकर प्रभावी रूप में क्रियाशील बनाया जाए। छात्रावास, पुस्तकालय, प्रयोगशालाएं एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के साथ-साथ CCTV निगरानी, सुरक्षा गार्ड और एंटी-रैगिंग सेल की सक्रियता अनिवार्य हो। खराब CCTV को बदला जाए और उनके सुचारू संचालन हेतु AMC करें।

राज्यपाल महोदय ने स्किल डेवलपमेंट, बेहतर इंटर्नशिप और उद्योगों से साझेदारी बढ़ाने की आवश्यकता जताई। उन्होंने ऑनलाइन फीडबैक प्रणाली लागू कर विद्यार्थियों से नियमित प्रतिक्रिया लेने की बात भी कही। रिक्त पदों की नियुक्तियों

पर चर्चा करते हुए राज्यपाल महोदय ने कहा कि शिक्षकों एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों के रिक्त पदों की नियुक्तियों में तेजी लाने हेतु राज्य सरकार से आग्रह किया गया है। बैठक में यह भी कहा गया कि आवश्यकता आधारित शिक्षकों का स्थानांतरण नहीं किया जाना चाहिए, जो जहाँ के लिए नियुक्त हुए हैं, वहीं रहेंगे।

बैठक में यह तथ्य सामने आया कि कुछ स्थानों पर महाविद्यालय तो हैं लेकिन विद्यार्थी नामांकन नहीं ले रहे हैं। इस पर राज्यपाल महोदय ने निदेश दिया कि कुलपति स्वयं वहाँ जाकर माहौल बनाएं और जन–प्रतिनिधियों का सहयोग लें। उन्होंने मुख्यमंत्री फेलोशिप योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर बल देते हुए कहा कि इसमें कोई शिथिलता नहीं होनी चाहिए, पात्र विद्यार्थियों को इस छात्रवृत्ति योजना का लाभ मिलना चाहिए। इस अवसर पर यह कहा गया कि Self–Finance योजनान्तर्गत संचालित पाठ्यक्रमों में यदि विद्यार्थियों की रुचि नहीं है, तो उन्हें बंद कर देना चाहिए। राज्यपाल महोदय ने निदेशित किया कि विश्वविद्यालयों में 'एक व्यक्ति – एक पद' का सिद्धांत अपनाया जाए। सेवानिवृत्त शिक्षकों एवं कर्मियों को हर माह की 5 तारीख तक पेंशन हर हाल में मिल जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि आश्चर्य की बात है कि न्यायालय में दशकों से विश्वविद्यालय से संबंधित वाद लंबित है, अधिवक्ता केस लेकर बैठे हैं। लंबित न्यायिक मामलों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने हेतु गैर–क्रियाशील अधिवक्ताओं को बदलना नितांत आवश्यक है।

राज्यपाल महोदय ने सभी विश्वविद्यालयों से अपेक्षा की कि उनके पास एक स्पष्ट विजन डॉक्यूमेंट और मास्टरप्लान होना चाहिए। बैठक में यह भी कहा गया कि निर्माणाधीन भवनों के अनुश्रवण हेतु कमिटी गठित की जाए। साथ ही, यह भी कहा गया कि जर्जर भवनों भवनों के उपयोग से बचें, ताकि कोई दुर्घटना न हो। इसके पुनर्निर्माण हेतु उच्च शिक्षा विभाग को सूचित करें।

राज्यपाल महोदय ने कुलपतियों से आह्वान किया कि वे दूरदर्शिता, सक्रियता और विवेकपूर्ण निर्णयों के माध्यम से झारखण्ड की उच्च शिक्षा व्यवस्था को राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि लगभग तीन माह बाद पुनः समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें इन कार्यों की प्रगति का मूल्यांकन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वे स्वयं उच्च शिक्षा में सुधार हेतु पूर्णतः प्रतिबद्ध हैं। जब भी उनकी सहायता की आवश्यकता हो, कुलपति निःसंकोच संपर्क करें। उन्हें विश्वास है कि यदि सभी कुलपति, विश्वविद्यालय पदाधिकारी और शिक्षाविद साथ मिलकर कार्य करें, तो झारखण्ड को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक आदर्श राज्य के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है।

जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय, जमशेदपुर का द्वितीय दीक्षांत समारोह

ज्ञान और कौशल का उपयोग समाज के विकास में करें : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल–सह–झारखण्ड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति श्री संतोष कुमार गंगवार ने जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय में आयोजित द्वितीय दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय का कोल्हान क्षेत्र में एक विशेष स्थान है। एक इंटरमीडिएट कॉलेज के रूप में अपनी शुरुआत से लेकर एक पूर्ण विश्वविद्यालय के रूप में विकसित होने तक यह संस्थान महिला सशक्तिकरण और बालिकाओं को उच्च शिक्षा प्रदान करने हेतु प्रेरित करने की दिशा में सार्थक भूमिका का निर्वहन कर रहा है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि 1962 में महान दूरदर्शी एवं परोपकारी भारत रत्न जे.आर.डी. टाटा ने जमशेदपुर महिला कॉलेज को शहर के मध्य में विशाल मैदान के साथ भवन उपलब्ध कराया, जो आज विश्वविद्यालय का रूप ले चुका है । महिला शिक्षा के संदर्भ में वे सभी महान व्यक्ति स्मरण किए जाएंगे, जिन्होंने शिक्षा, विशेषकर महिला शिक्षा और सामाजिक विकास को नया आयाम दिया। इस अवसर पर उन्होंने वर्ष 2024 में दिवंगत हुए रतन टाटा जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। माननीय राज्यपाल ने कहा कि वैश्वीकरण के युग में हमारे विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों को हमारी लड़कियों को सर्वोत्तम संभव शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध रहना चाहिए। हमारा उद्देश्य ऐसा माहौल बनाना होना चाहिए, जहां विश्वविद्यालय को हमारे राज्य और देश भर में लड़कियों की उच्च शिक्षा के लिए एक आदर्श केंद्र के रूप में जाना जाये।

रांची विश्वविद्यालय, रांची का प्रथम खेलकूद एवं सांस्कृतिक महोत्सव का दीक्षांत समारोह

खेलों से आता है नेतृत्व और आत्मविश्वास : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल–सह–झारखण्ड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति श्री संतोष कुमार गंगवार ने रांची विश्वविद्यालय, रांची के प्रथम खेलकूद एवं सांस्कृतिक दीक्षांत समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि खेलकूद और सांस्कृतिक महोत्सव जैसी गतिविधियां जीवन का अभिन्न अंग हैं। ये विद्यार्थियों में अनुशासन, आपसी सहयोग, नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास विकसित करने का कार्य करते हैं। इस प्रकार के आयोजन इन मूल्यों को प्रोत्साहित करने का एक सशक्त मंच हैं।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि हर्ष है कि रांची विश्वविद्यालय निरंतर शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ–साथ खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को भी ऊंचाइयों तक ले जाने में प्रयासरत रहा है। यहां के विद्यार्थी न केवल शिक्षा में, बल्कि खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों में भी अपनी विशिष्ट पहचान बना रहे हैं। यह दीक्षांत समारोह खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों की उत्कृष्टता का प्रतीक है। हर्ष का विषय है कि पुरुष एवं महिला दोनों को समान अवसर प्रदान किए जाते हैं। राज्यपाल महोदय ने कहा कि रांची विश्वविद्यालय ने कई श्रेष्ठ एवं प्रतिभावान रत्न देश को दिए हैं। महिला हॉकी में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने वाली विश्व स्तर की खिलाड़ी सलीमा टेटे, निक्की प्रधान और संगीता कुमारी शामिल हैं। सलीमा टेटे भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान हैं और उन्हें वर्ष 2024 में अर्जुन अवार्ड से सम्मानित किया गया। निक्की प्रधान झारखण्ड की पहली महिला हॉकी खिलाड़ी थीं, जिन्होंने ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। झारखण्ड की ये बेटियां देश का गौरव हैं और अन्य युवतियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। रांची विश्वविद्यालय की महिला हॉकी टीम भी ईस्ट जोन अंतर विश्वविद्यालय टूर्नामेंट की उपविजेता रही है। उन्होंने कहा कि खेलों के समानांतर सांस्कृतिक गतिविधियां भी हमें इतिहास और संस्कृति से जोड़ती हैं।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची का द्वितीय दीक्षांत समारोह

चरित्र निर्माण के बिना शिक्षा अधूरी : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल–सह–झारखण्ड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति श्री संतोष कुमार गंगवार ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची द्वारा आयोजित द्वितीय दीक्षांत समारोह के अवसर पर उपस्थित विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि दीक्षान्त समारोह एक शैक्षिक यात्रा का समापन नहीं, अपितु उनके जीवन के एक नये और महत्त्वपूर्ण अध्याय के आरम्भ का प्रतीक है। उन्होंने वर्षों तक कठोर परिश्रम, समर्पण और संघर्ष से जो ज्ञान और कौशल अर्जित किया है, वह उन्हें समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित करेगा।

उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल अकादमिक ज्ञान प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को समाज के प्रति जागरूक, उत्तरदायी और सशक्त नागरिक बनाना भी है। यह विश्वविद्यालय केवल एक शैक्षिक संस्थान नहीं, बल्कि संस्कृति, संस्कार और सृजन का पवित्र स्थल है, जहां ज्ञान का अर्जन केवल व्यक्तिगत उन्नति के लिए नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की सेवा हेतु किया जाता है।

माननीय राज्यपाल ने कहा कि संस्कारयुक्त शिक्षा ही वास्तविक विकास का आधार है, क्योंकि यह व्यक्ति को केवल बौद्धिक रूप से सशक्त नहीं बनाती, बल्कि उसे समाज के प्रति जिम्मेदार और संवेदनशील भी बनाती है। हमें अपनी जड़ों से जुड़ कर अपनी संस्कृति का संरक्षण करना चाहिए, क्योंकि यह हमें आत्मनिर्भरता, समता और मानवता का पाठ सिखाती है। इसलिए शिक्षा के माध्यम से हमें अपनी संस्कृति को सम्मान देना और उसे संरक्षित करना चाहिए। शिक्षा का परम लक्ष्य केवल ज्ञानार्जन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका वास्तविक उद्देश्य चरित्र निर्माण है। शिक्षा का कार्य व्यक्ति को बौद्धिक रूप से सक्षम बनाना है तथा उसके आचरण, विचार और व्यवहार को सुसंस्कृत बनाना है। एक शिक्षित व्यक्ति वही है, जो अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए करे।

झारखण्ड राय विश्वविद्यालय, रांची का 5वां दीक्षांत समारोह

दीक्षांत विद्यार्थी जीवन का नया अध्याय : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने झारखण्ड राय विश्वविद्यालय, रांची के 5वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह केवल एक शैक्षिक घटना नहीं, बल्कि यह हर विद्यार्थी के जीवन में एक नए अध्याय की शुरुआत का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि ध्यान रखें कि यह यात्रा कभी समाप्त नहीं होती। आप सभी ने जो सीखा है, वह केवल एक आधार है और जीवन भर आपको और अधिक ज्ञान अर्जित करना है। यह दिन आपके आत्मविश्वास को सुदृढ़ करेगा, क्योंकि यह दर्शाता है कि कठिनाइयों के बावजूद आप सफलता की ऊंचाई तक पहुंचने में सक्षम हैं।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि इस दीक्षांत समारोह में मुझे विशेष रूप से हमारे देश की बेटियों की उपलब्धियों का उल्लेख करना है। आज 92 बेटियों को डिग्री प्रदान की जा रही है, जिनमें से 10 को पीएचडी की उपाधि मिल रही है। यह हमारे समाज की बेटियों के बढ़ते आत्मविश्वास और सशक्तिकरण का प्रतीक है। यह दृश्य हमारे समाज की उन पुरानी धारणाओं को तोड़ता है, जो कभी महिलाओं को शिक्षा से वंचित रखने के पक्षधर थे। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान ने महिलाओं के लिए शिक्षा और आत्मनिर्भरता के नए द्वार खोले हैं। इसका परिणाम यह है कि आज की युवा पीढ़ी की लड़की, हर क्षेत्र में अपने कौशल और संकल्प से नई मिसाल पेश कर रही है।

रांची विश्वविद्यालय, रांची का 38वां दीक्षांत समारोह

छात्रों के समर्पण और परिश्रम का उत्सव : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल–सह–झारखण्ड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति श्री संतोष कुमार गंगवार ने रांची विश्वविद्यालय, रांची के 38वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर उपस्थित विद्यार्थियों से उन्होंने कहा कि यह केवल एक दीक्षांत समारोह नहीं, बल्कि आपके परिश्रम और समर्पण का उत्सव है। उन्होंने कहा कि आज का युग नवाचार और शोध का है। झारखण्ड की धरती संसाधनों से भरपूर है, पर हमें इन संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करना सीखना होगा। अनुसंधान केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित न रहे, बल्कि स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए भी हो। पर्यावरण संरक्षण, जल प्रबंधन, नवीकरणीय ऊर्जा, कृषि विकास जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान की अपार संभावनाएं हैं। रांची विश्वविद्यालय इन क्षेत्रों में नई ऊंचाइयां प्राप्त करे तथा अन्य विश्वविद्यालयों के लिए अनुकरणीय बने। उन्होंने कहा कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी, समाजशास्त्र और मानविकी में गहन शोध के साथ स्थानीय संसाधनों और समस्याओं पर अनुसंधान हमारी प्राथमिकता है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश नए आयाम स्थापित कर रहा है। उनके 'न्यू इंडिया' के संकल्प ने शिक्षा, नवाचार और आत्मनिर्भरता को एक नई दिशा दी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भी इसी दृष्टि का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जो विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान, कौशल विकास और शोध में उत्कृष्टता की ओर अग्रसर कर रही है। आशा है कि रांची विश्वविद्यालय के विद्यार्थी भी इस बदलाव के सशक्त वाहक बनेंगे और झारखण्ड को शिक्षा और नवाचार के क्षेत्र में अग्रणी बनाएंगे। आज भारत वैश्विक मंच पर अपनी विशिष्ट पहचान बना रहा है। चंद्रयान–3, आदित्य–L 1 जैसी सफलताएं हमारे वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत का परिणाम हैं। यह सब दिखाता है कि अगर संकल्प मजबूत हो, तो कोई लक्ष्य असंभव नहीं।

सरला बिरला विश्वविद्यालय का द्वितीय दीक्षांत समारोह

नवाचार और मूल्यों से राष्ट्र निर्माण में योगदान दें : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने सरला बिरला विश्वविद्यालय, रांची के द्वितीय दीक्षांत समारोह में वर्ष 2022–23 और 2023–24 में उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं प्रदान करते हुए कहा कि यह दीक्षांत समारोह न केवल विद्यार्थियों की शैक्षणिक यात्रा की पूर्णता का प्रतीक है, बल्कि यह उनके जीवन के एक नये अध्याय की शुरुआत भी है। उन्होंने कहा कि यह उपाधि केवल एक प्रमाण–पत्र नहीं, बल्कि यह समाज, राष्ट्र और मानवता के प्रति एक उत्तरदायित्व का संकेत है। अब उनके ज्ञान, अनुशासन और मूल्यों की असली परीक्षा शुरू होती है।

राज्यपाल महोदय ने 43 स्वर्ण पदक विजेताओं को 'बसंत कुमार सरला बिरला स्वर्ण पदक' से सम्मानित किए जाने पर विशेष बधाई देते हुए कहा कि उनकी उत्कृष्टता संपूर्ण छात्र समुदाय के लिए प्रेरणादायक है। साथ ही, उन्होंने पारंपरिक और जैविक कृषि के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान देने वाले पद्मश्री डॉ. खादर वल्ली को विश्वविद्यालय द्वारा मानद डॉक्टरेट उपाधि से सम्मानित किए जाने पर कहा कि डॉ. वल्ली का कार्य स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में मील का पत्थर है। नई पीढ़ी के लिए उनका जीवन प्रेरणा का स्रोत है।

माननीय राज्यपाल ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे केवल नौकरी के आकांक्षी न बनें, बल्कि नवाचार, उद्यमिता और अनुसंधान की दिशा में अग्रसर होकर रोजगार सृजन में भागीदार बनें। उन्होंने विद्यार्थियों को मानवीय मूल्यों, करुणा, संवेदना और सत्यनिष्ठा से जुड़े रहने का संदेश देते हुए कहा कि डिजिटल युग में भी हमारी सांस्कृतिक जड़ें और जीवन मूल्य ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी हैं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि जब भारत अपनी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूर्ण करेगा, तब हम सभी एक ऐसे भारत को देखना चाहते हैं जो आत्मनिर्भर,सशक्त, समावेशी और वैश्विक नेतृत्वकर्ता हो। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य की प्राप्ति में आप जैसे शिक्षित, जागरूक और संकल्पबद्ध युवाओं की भूमिका सबसे अहम होगी।

अरका जैन विश्वविद्यालय का तृतीय दीक्षांत समारोह

दीक्षांत सामाजिक दायित्वों की शुरुआत : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने अरका जैन विश्वविद्यालय, झारखण्ड के तृतीय दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं प्रदान करते हुए कहा कि दीक्षांत केवल शैक्षणिक यात्रा का अंत नहीं, बल्कि सामाजिक दायित्वों की शुरुआत है। उन्होंने विद्यार्थियों को देश की वास्तविक निधि बताते हुए आह्वान किया कि वे अर्जित ज्ञान, मूल्य और संवेदनशीलता का उपयोग राष्ट्र निर्माण में करें।

झारखण्ड का राज्यपाल बनने के बाद से ही वे ग्रेडिंग सिस्टम में सुधार के लिए सतत प्रयासरत हैं।उच्च शिक्षा में सुधार हेतु कोई भी व्यक्ति सुझाव दे, तो स्वागत है।

माननीय राज्यपाल ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे विकसित भारत @2047 के लक्ष्य की प्राप्ति में सहभागी बनें। उन्होंने 'मेक इन इंडिया', 'स्टार्टअप इंडिया' और 'डिजिटल इंडिया' जैसी योजनाओं को युवाओं के लिए नवाचार और उद्यमिता के अवसरों का माध्यम बताया। राज्यपाल महोदय ने भारत की अर्थव्यवस्था का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत अब विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और शीघ्र ही तीसरे स्थान प्राप्त करने की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' में भारतीय सैनिकों की वीरता का उल्लेख करते हुए कहा कि यह नया भारत है, जो शांति का पक्षधर है, लेकिन मानवता पर हमला होगा, तो यह देश चुप नहीं बैठेगा, दुश्मन को कुचलना भी जानता है। माननीय राज्यपाल ने कहा कि झारखण्ड का राज्यपाल बनने के बाद से ही वे ग्रेडिंग सिस्टम में सुधार के लिए सतत प्रयासरत हैं। इस विश्वविद्यालय को 'ए' ग्रेड मिलना सराहनीय है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा में सुधार हेतु कोई भी व्यक्ति सुझाव दे, तो स्वागत है। उनकी इच्छा है कि झारखण्ड प्रदेश उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी बने।

रामचंद्र चंद्रवंशी विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह

दीक्षांत सामाजिक दायित्वों की शुरुआत : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने पलामू ज़िले के विश्रामपुर स्थित रामचंद्र चंद्रवंशी विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों से कहा कि शिक्षा केवल डिग्री नहीं, समाज व राष्ट्र के प्रति ज़िम्मेदारी भी है।

उन्होंने कहा कि यह दीक्षांत समारोह केवल एक शैक्षणिक आयोजन नहीं, बल्कि मेहनत, समर्पण और संकल्प की परिणति है। उन्होंने महान स्वतंत्रता सेनानियों नीलाम्बर–पीताम्बर को नमन करते हुए कहा कि इस भूमि पर शिक्षा का दीप प्रज्वलित होते देखना हर्ष का विषय है।

राज्यपाल महोदय ने विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु पूर्व मंत्री श्री रामचंद्र चंद्रवंशी की सराहना करते हुए कहा कि यह इस क्षेत्र में शिक्षा, सशक्तिकरण और विकास की दिशा में एक सार्थक पहल है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र की जनमानस को शिक्षा के क्षेत्र में श्री चंद्रवंशी जी से काफी आशाएँ हैं।

राज्यपाल महोदय ने विश्वविद्यालय प्रशासन से आह्वान किया कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान नहीं, बल्कि नैतिक मूल्य, सामाजिक चेतना, सेवा भावना और राष्ट्रप्रेम से युक्त व्यक्तित्व का निर्माण होना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय अपने आसपास के गाँवों को गोद लें और शिक्षा एवं नवाचार के माध्यम से ग्रामीण जीवन की समस्याओं के समाधान में सहभागी बनें। विद्यार्थियों को

श्री रघुवर दास को डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित करते हुए माननीय राज्यपाल

केवल जॉब सीकर नहीं, बल्कि जॉब क्रिएटर, अन्वेषक और समाजसेवी नागरिक के रूप में तैयार करने की दिशा में प्रयास किए जाएं।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि यह विश्वविद्यालय केवल डिग्री प्रदान करने वाला केंद्र न बने, बल्कि राष्ट्र निर्माण में सहायक, संवेदनशील और उत्तरदायी नागरिकों का निर्माण करने वाला एक सशक्त शैक्षणिक केंद्र बने।

माननीय राज्यपाल ने यह भी कहा कि राज्य में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को सुदृढ़ बनाने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध हैं और इस दिशा में ठोस कार्य प्रारंभ कर दिए गए हैं। यदि सभी शिक्षण संस्थान इस प्रयास में सहभागिता करें, तो हमारा झारखण्ड निश्चित ही एक 'एजुकेशन हब' के रूप में प्रतिष्ठित हो सकता है और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत कर सकता है। राज्यपाल महोदय ने सभी विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

इस अवसर पर राज्यपाल महोदय ने ओडिशा के पूर्व राज्यपाल एवं झारखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री श्री रघुवर दास को डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया।

इससे पूर्व राज्यपाल महोदय ने वहाँ लक्ष्मी चंद्रवंशी बॉयज हॉस्टल, लक्ष्मी चंद्रवंशी गर्ल्स हॉस्टल और विश्वविद्यालय का प्रशासनिक भवन का उद्घाटन भी किया।

मारवाड़ी कॉलेज, रांची का 5वां ग्रेजुएशन समारोह

जीवन में सिर्फ डिग्री नहीं, दिशा और दृष्टि भी जरूरी : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल–सह–झारखण्ड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति श्री संतोष कुमार गंगवार ने मारवाड़ी कॉलेज, रांची के विवेकानन्द प्रेक्षागृह में आयोजित कॉलेज के '5वें ग्रेजुएशन समारोह' में भाग लेकर उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं तथा उन्हें प्रेरित किया।

राज्यपाल महोदय ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे ज्ञान को केवल रोजगार प्राप्त करने का माध्यम न मानें, बल्कि उसे समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का साधन बनाएं। उन्होंने कहा कि भारत जैसे विविधतापूर्ण और संभावनाओं से भरे देश को आज आपके नवाचार, विचार और संवेदनशीलता की आवश्यकता है। माननीय राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा कि आज हमारा देश विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित हो चुका है और 'विकसित भारत @2047' की दिशा में तेज़ी से अग्रसर है।

उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य को साकार करने में देश के युवाओं की निर्णायक भूमिका होगी। उन्होंने आशा प्रकट करते हुए कहा कि मारवाड़ी कॉलेज के विद्यार्थी विज्ञान, कला, प्रशासन, शिक्षा, उद्यमिता एवं सामाजिक सेवा जैसे विविध क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देंगे। राज्यपाल महोदय ने यह भी कहा कि वे राज्य के विश्वविद्यालयों की गुणवत्ता में सुधार लाने हेतु पूर्णतः प्रतिबद्ध हैं और इस दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। राज्यपाल महोदय ने विद्यार्थियों से आत्मविश्वास, विनम्रता और सेवा भावना के साथ आगे बढ़ने का आह्वान करते हुए कहा कि जीवन में केवल डिग्री नहीं, दिशा और दृष्टि भी आवश्यक है।

आईएचएम, रांची का ग्रेजुएशन समारोह

आतिथ्य क्षेत्र को और समृद्ध बनायें : राज्यपाल

इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट कैटरिंग टेक्नोलॉजी एंड एप्लाइड न्यूट्रिशन, रांची (IHM, Ranchi) का 'ग्रेजुएशन समारोह' आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में माननीय राज्यपाल सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि IHM, रांची का ग्रेजुएशन समारोह (2022–2025) स्नातकों के जीवन की एक नई शुरुआत का प्रतीक है तथा उनके साथ उनके परिजनों, शिक्षकों और संस्थान के सभी सदस्यों के लिए भी गर्व का पल है। उन्होंने कहा कि आपने जो शिक्षा प्राप्त की है, वह न केवल आपके व्यक्तित्व को सशक्त बनाएगी, बल्कि आपको आतिथ्य क्षेत्र में सफलता के नए आयाम स्थापित करने में भी मदद करेगी।

माननीय राज्यपाल ने कहा कि संस्थान का यह गौरव है कि वह अपने विद्यार्थियों को 100% प्लेसमेंट प्रदान कराने में सक्षम रहा है। इस संस्थान के विद्यार्थी न केवल भारत में, बल्कि विदेशों में भी अपना नाम रोशन कर रहे हैं। यह इस संस्थान के प्रशिक्षण, शिक्षा और व्यावहारिक कौशल का प्रमाण है। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अब आपकी जिम्मेदारी है कि आप समाज में सकारात्मक प्रभाव डालें। आतिथ्य क्षेत्र में आपके पास समाज को जोड़ने, नए रिश्ते बनाने और सांस्कृतिक आदान–प्रदान की शक्ति है। आपके कंधों पर यह जिम्मेदारी है कि आप हमारे राज्य और देश के आतिथ्य क्षेत्र को और समृद्ध बनाएं। यह क्षेत्र न केवल आर्थिक दृष्टि से, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

स्व. बिनोद बिहारी महतो की प्रतिमा का अनावरण

शोध गुणवत्ता व विद्यार्थियों की सफलता ही विवि की पहचान : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल–सह–झारखण्ड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति श्री संतोष कुमार गंगवार ने बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद में स्व. बिनोद बिहारी महतो जी की प्रतिमा का अनावरण करते हुए कहा कि स्व. बिनोद बिहारी महतो जी ने समाज में शिक्षा, श्रम और आत्मगौरव के महत्व को सशक्त रूप में स्थापित करने की दिशा में अहम योगदान दिया। उनकी स्मृति में स्थापित यह प्रतिमा आने वाली पीढ़ियों को संदेश देती रहेगी कि कठिनाइयों में भी आत्मबल, समर्पण और शिक्षा से परिवर्तन संभव है। वे न सिर्फ़ कोयलांचल क्षेत्र के गौरव थे, बल्कि झारखण्ड की सामाजिक चेतना के अग्रदूत भी थे।

माननीय राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय की पहचान उसकी शोध गुणवत्ता, नवाचार और विद्यार्थियों की सफलता से होती है। हमें ऐसे शोध को बढ़ावा देना होगा, जिसमें मौलिकता हो। आज का युग ज्ञान का युग है और ज्ञान का सबसे बड़ा केंद्र हमारे शिक्षण संस्थान हैं। हमें ऐसा वातावरण निर्मित करना होगा कि विद्यार्थियों को अन्य प्रदेशों में जाने की जरूरत महसूस न हो, बल्कि देशभर से विद्यार्थी यहां पढ़ने के लिए आयें। विश्वविद्यालय में एक प्रभावी कैम्पस प्लेसमेंट सेल हो, उद्योगों के साथ साझेदारी बढ़े, शिक्षक अपने आचरण से प्रेरक बनें, गुरु–शिष्य संबंध सशक्त हों और संस्थान का वातावरण स्वच्छ, निर्भीक और नवाचार–उन्मुख हो। इन सभी पहलुओं की ओर विश्वविद्यालय को ध्यान देना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का "विकसित भारत @2047" का दृष्टिकोण सभी के लिए मार्गदर्शक है। माननीय राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय केवल डिग्री प्रदान करने का केंद्र नहीं होना चाहिए। वह सामाजिक बदलाव का वाहक, चरित्र निर्माण का केंद्र और सार्वजनिक चेतना का प्रकाश–स्तंभ हो। विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा केवल उसकी इमारतों से नहीं, बल्कि उसके विद्यार्थियों की सोच, शिक्षकों की निष्ठा और शोध की गुणवत्ता से बनती है।

बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (बीआईटी) मेसरा का प्लेटिनम जुबली समारोह

बीआईटी ने विद्यार्थियों की सोच को संवारा : राज्यपाल

भारत की माननीया राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (बीआईटी) मेसरा के प्लेटिनम जुबली समारोह में माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने अपने संबोधन में कहा कि बीआईटी मेसरा इस देश में कई इंजीनियरिंग विषयों और कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने की समृद्ध विरासत के साथ एक प्रतिष्ठित प्रौद्योगिकी संस्थान है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नए आयामों के उदय के साथ यह अपने कुशल युवा इंजीनियरों और प्रबंधकों के लिए नई संभावनाएं प्रस्तुत कर रहा है। 1955 में बीआईटी मेसरा की स्थापना इस संस्थान के दूरदर्शी संस्थापक बी. एम. बिड़ला जी की एक बहुत ही प्रशंसनीय पहल थी, जिन्होंने इस देश के विकास के लिए इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के महत्व को सही ढंग से समझा। तब से, बीआईटी ने एक लंबा सफर तय किया है और बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को तैयार किया है, जिन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी योग्यता से संस्थान और देश का नाम रोशन किया है। यह संस्थान निरंतर नये नवाचारों और अनुसंधान में अग्रणी भूमिका निभा रहा है, जो इसे विश्व स्तर पर विशिष्ट बनाता है।

माननीय राज्यपाल ने कहा कि बी.आई.टी. मेसरा ने विद्यार्थियों की सोच को विकसित किया है और उन्हें एक ऐसे भविष्य के लिए तैयार किया है जो उनके जीवन में आने

वाली चुनौतियों का सामना करने तथा उनके समाधान ढूंढ़ने की शक्ति प्रदान करती है। तेजी से बदलते समय में जब प्रतिदिन नई तकनीक, चुनौतियां और अवसर उत्पन्न हो रहे हैं, तो युवाओं के पास वह विज़न और क्षमता होनी चाहिए जो उन्हें अपनी राह पर अडिग रखे और समाज के उत्थान में योगदान दे सके। मुझे विश्वास है कि हमारे विद्यार्थी जो भी ज्ञान और मूल्य यहां अर्जित कर रहे हैं, वह देश की प्रगति में योगदान देगा।

माननीय राज्यपाल ने कहा कि माननीया राष्ट्रपति महोदया नारी शिक्षा की प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने विषम परिस्थिति में भी उच्च शिक्षा ग्रहण की। अपने कार्यकाल के दौरान बालिका शिक्षा और सशक्तिकरण हेतु उन्होंने राज्य में स्थित विभिन्न कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय का भ्रमण किया। उनकी प्रेरणा से देश की लाखों बेटियां पढ़ने हेतु आगे बढ़ रही हैं। विभिन्न दीक्षांत समारोहों में देखा जा रहा है कि हमारी छात्राएं, छात्रों की तुलना में अधिक स्वर्ण पदक प्राप्त कर रही हैं। यह दर्शाता है कि जब अवसर मिलता है, तो बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं रहतीं। यह नए भारत की तस्वीर है। बीआईटी मेसरा न केवल इंजीनियरिंग और प्रबंधन में, बल्कि सामाजिक समावेशिता की दिशा में भी कार्य कर रहा है। यहां संचालित पॉलिटेक्निक संस्थान विशेष रूप से आदिम जनजातियों सहित आरक्षित श्रेणियों के छात्रों को तकनीकी शिक्षा और व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्रदान कर रहा है, जो रोजगार और उद्यमिता के बेहतर अवसर की दिशा में सहायक हैं।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी के 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को साकार करने में बीआईटी मेसरा का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बीआईटी के संकाय सदस्यों और विद्वानों से आह्वान किया कि वे इस अभियान में सक्रिय भागीदारी का निर्वहन करें और देश की आम जनता और उद्योगों के लाभ के लिए नए

इंजीनियरिंग मॉडल, उपकरण, मशीनें और सॉफ्टवेयर विकसित करने के लिए दीर्घकालिक योजनाएं बनाएं। उद्यमिता, नवाचार और अनुसंधान में सहभागिता देश को प्रगति के नए आयामों की ओर ले जाएगी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 का उद्देश्य हमारे युवाओं को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए सक्षम और सशक्त बनाना है। संस्थान ने इसे अपनाकर अपने पाठ्यक्रमों को न केवल समृद्ध करने का प्रयास किया है, बल्कि विद्यार्थियों को एक बहु–आयामी दृष्टिकोण भी प्रदान किया है। उन्होंने विश्वासपूर्वक कहा कि यह संस्थान निरंतर अपने छात्रों को नवीनतम तकनीक, अनुसंधान और व्यावसायिक कौशल से लैस करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

एग्रोटेक किसान मेला–2025

अन्नदाता सुखी, तभी हम सुखी : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल–सह–झारखण्ड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति श्री संतोष कुमार गंगवार ने बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची द्वारा आयोजित तीन दिवसीय 'एग्रोटेक किसान मेला–2025' के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी कृषि विश्वविद्यालय अथवा कृषि अनुसंधान केंद्र का दायित्व है कि वह किसानों के हित की सोचे। वैज्ञानिक एवं शोधकर्ताओं को सदैव किसानों के लाभ हेतु तत्पर तथा सक्रिय रहना चाहिए। कहा गया है कि 'अन्नदाता सुखी भवः'। इसलिए जब अन्नदाता सुखी होंगे, तभी हम सुखी रह सकेंगे। राज्यपाल महोदय ने कहा कि झारखण्ड एक कृषि प्रधान राज्य है, जहां 70 प्रतिशत से अधिक आबादी गांवों में निवास करती है और कृषि उनकी आजीविका का मुख्य साधन है। उन्होंने कहा कि वे किसानों की कठिनाइयों और चुनौतियों से भली–भांति अवगत हैं। राज्यपाल महोदय ने कहा कि हमें एक–फसली तक सीमित न रहकर बहुफसली खेती की ओर ध्यान देना होगा। किसानों की आय बढ़ाने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए हमें प्राथमिक कृषि से माध्यमिक कृषि की ओर बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि हमारे किसान आत्मनिर्भर बनें तथा हमारा राज्य कृषि के मामले में न केवल आत्मनिर्भर बने, बल्कि अन्य राज्यों को निर्यात भी करे। कृषि वैज्ञानिकों को पूरी निष्ठा एवं लगन से कार्य करना होगा।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि झारखण्ड की भूमि सब्जी उत्पादन, वानिकी एवं फूल उत्पादन के लिए उपयुक्त है। यहां के किसान यदि इन क्षेत्रों में कृषि करें तो उन्हें अच्छी आमदनी हो सकती है। उन्होंने कहा कि गर्व की बात है कि झारखण्ड को दलहन की अच्छी पैदावार के लिए कई बार 'कृषि कर्मण पुरस्कार' प्राप्त हो चुका है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा किसानों की स्थिति में सुधार हेतु कई ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं। 'पीएम किसान सम्मान निधि योजना' एवं 'किसान क्रेडिट कार्ड योजना' के माध्यम से देश के किसानों को सहायता पहुंचाने हेतु उल्लेखनीय प्रयास किया गया है।

गोस्सनर महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन

युवा जनसंख्या हमारी सबसे बड़ी शक्ति : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने गोस्सनर कॉलेज, रांची में Developed India @ 2047: Charting Multidisciplinary and Multi-Institutional Pathways for Inclusive Growth and Global Leadership विषय पर आयोजित International Conference 2025 का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक समृद्धि, सामाजिक समरसता और वैज्ञानिक नवाचार का समन्वित प्रतिबिंब है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा जनसंख्या है और हमें उन्हें नवाचार, स्टार्टअप, शोध और उद्यमशीलता की ओर प्रेरित करना होगा।

माननीय राज्यपाल ने 'विकसित भारत @2047', 'आत्मनिर्भर भारत', 'मेक इन इंडिया', 'डिजिटल इंडिया' और 'वोकल फॉर लोकल' जैसे अभियानों का उल्लेख करते हुए कहा कि ये पहलें भारत को न केवल आत्मनिर्भर बना रही हैं, बल्कि उसे वैश्विक नेतृत्व की दिशा में भी अग्रसर कर रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप हब बन चुका है, जहां के नवाचार वैश्विक परिवर्तन का माध्यम बन रहे हैं। उन्होंने शिक्षण संस्थानों से आह्वान किया कि वे विद्यार्थियों को केवल नौकरी खोजने वाला (Job Seeker) नहीं, बल्कि रोजगार सृजन करने वाला (Job Creator) बनाने हेतु शिक्षा प्रदान करें। राज्यपाल महोदय ने कहा कि शोध कार्यों में मौलिकता आवश्यक है। केवल पुस्तकीय ज्ञान नहीं, बल्कि समाजोपयोगी समाधान और नवाचारों पर आधारित शोध ही विकसित भारत की राह को प्रशस्त करेंगे।

बिहार राज्य़ स्थापना दिवस समारोह

हमारी विरासत साझी, संबंध घनिष्ठ हैं : राज्य़पाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने बिहार राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर राज भवन में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार का इतिहास न केवल गौरवशाली है, बल्कि इसकी समृद्ध सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक विरासत भी प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि यह पावन भूमि भगवान महावीर, गौतम बुद्ध, गुरु गोविंद सिंह, चाणक्य, सम्राट अशोक, वीर कुंवर सिंह, आर्यभट्ट, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जैसी विभूतियों की रही है। यह भारतीय इतिहास और सभ्यता का केंद्र रहा है। लोकतंत्र की जड़ें बिहार के वैशाली में पनपी थी। जिसे लोकतंत्र की जननी कहा जाता है। नालंदा और विक्रमशिला जैसे विश्वविद्यालयों ने पूरे विश्व को शिक्षा और ज्ञान के प्रकाश से आलोकित किया।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि झारखण्ड राज्य का गठन 15 नवंबर, 2000 को अविभाजित बिहार से पृथक होकर हुआ। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी द्वारा जन–अपेक्षाओं के अनुरूप झारखण्ड का सृजन किया गया, ताकि शासन का लाभ यहां के लोगों को सुगमता से पहुंचे। राज्यपाल महोदय ने यह भी कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी ने बिहार को Brilliant, Innovative, Hardworking, Action–Oriented और Resourceful (BIHAR) कहकर इसकी विशेषताओं का उल्लेख किया है। बिहार की श्रम शक्ति, ज्ञान और नवाचार की क्षमता पूरे देश के विकास में योगदान दे रही है। केंद्र सरकार ने बिहार के विकास हेतु कई योजनाएं दी हैं। यहां की मधुबनी पेंटिंग विश्वविख्यात है। बिहार की सांस्कृतिक धरोहर, शिक्षा और कला के क्षेत्र में योगदान की उन्होंने सराहना की।

राज भवन में मना राजस्थान एवं ओडिशा दिवस समारोह

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार की गरिमामयी उपस्थिति में राज भवन, रांची में राजस्थान स्थापना दिवस और ओडिशा स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर झारखण्ड में निवासरत राजस्थान और ओडिशा के कई नागरिक उपस्थित थे।

राज्यपाल महोदय ने दोनों राज्यों की समृद्ध सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और सामाजिक विरासत पर प्रकाश डाला तथा कहा कि राजस्थान और ओडिशा अपनी विशिष्ट परंपराओं, वीरता, आध्यात्मिकता और सांस्कृतिक समृद्धि के लिए पूरे देश में विख्यात हैं। उन्होंने राजस्थान की वीर गाथाओं और स्थापत्य कला की प्रशंसा करते हुए कहा कि मेवाड़, मारवाड़, जयपुर की यह भूमि विश्व में प्रसिद्ध है। माननीय राज्यपाल ने ओडिशा के गौरवमयी इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि यह राज्य आध्यात्मिकता और सांस्कृतिक धरोहर का केंद्र है। भगवान जगन्नाथ की पावन भूमि, कोणार्क का सूर्य मंदिर, पुरी की रथयात्रा महोत्सव और ओडिसी नृत्य इस राज्य की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक भव्यता को दर्शाते हैं। राज्यपाल महोदय ने 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' पहल का उल्लेख करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन भारत की एकता को और अधिक सशक्त बनाते हैं। राज्यपाल महोदय ने कहा कि दोनों राज्यों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और विकासशील दृष्टिकोण भारत को और अधिक सशक्त बनाने में सहायक सिद्ध होंगे। उन्होंने झारखण्ड में निवास कर रहे राजस्थान और ओडिशा के नागरिकों को बधाई देते हुए सभी से अपने गौरवशाली अतीत से प्रेरणा लेकर राष्ट्र और कर्मभूमि के विकास में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। समारोह में ओडिशा के माननीय राज्यपाल का वीडियो संदेश प्रसारित किया गया वहीं, राजस्थान के माननीय राज्यपाल का संदेश पढ़ा गया।

राज भवन में हिमाचल प्रदेश स्थापना दिवस समारोह का आयोजन

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार की गरिमामयी उपस्थिति में राज भवन, रांची में 'हिमाचल प्रदेश स्थापना दिवस समारोह' का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर झारखण्ड में निवासरत हिमाचल प्रदेश के नागरिकगण उपस्थित थे। राज्यपाल महोदय ने समारोह को संबोधित करते हुए सभी को हिमाचल प्रदेश स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि हिमाचल न केवल अपनी नैसर्गिक सुंदरता और आध्यात्मिक विरासत के लिए जाना जाता है, बल्कि यह राज्य वीरता, सेवा और राष्ट्र निष्ठा की भावना से भी ओतप्रोत है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश केवल 'देवभूमि' ही नहीं, बल्कि ऐसी भूमि है जहां की सरल, कर्मठ और राष्ट्रनिष्ठ जनता ने भारत को आत्मनिर्भर और सशक्त राष्ट्र के रूप में स्थापित करने में अनुकरणीय भूमिका निभाई है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, स्वच्छता, हरित ऊर्जा और जैविक खेती जैसे क्षेत्रों में हिमाचल ने महत्त्वपूर्ण उपलब्धियां प्राप्त की हैं। पर्यटन की दृष्टि से भी हिमाचल प्रदेश अब वैश्विक मानचित्र पर अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी के दूरदर्शी नेतृत्व में हिमाचल प्रदेश को 'हरित राज्य' और 'जैविक कृषि केंद्र' के रूप में विकसित करने के लिए सतत प्रयास किए जा रहे हैं, जो विकास और पर्यावरणीय संतुलन की दिशा में एक प्रेरणादायी पहल है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' पहल के अंतर्गत इस प्रकार के आयोजन आपसी समरसता, सांस्कृतिक आदान–प्रदान तथा राष्ट्रीय एकता की भावना को और सुदृढ़ करते हैं।

गुजरात एवं महाराष्ट्र स्थापना दिवस समारोह

विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था बनाने में दोनों राज्यों का योगदान : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने राज भवन में आयोजित गुजरात एवं महाराष्ट्र स्थापना दिवस समारोह में उपस्थित लोगों का अभिनंदन करते हुए कहा कि आज हमारा देश विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और इस उपलब्धि में गुजरात और महाराष्ट्र का अहम योगदान है। दोनों राज्यों का ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आर्थिक योगदान भारत की विकास यात्रा में अद्वितीय रहा है। इन राज्यों से जुड़े लोग झारखण्ड में भी विविध क्षेत्रों व्यापार, उद्योग, चिकित्सा, शिक्षा एवं सामाजिक सेवा में सराहनीय योगदान दे रहे हैं। हमारे अपर मुख्य सचिव एवं एडीसी (पुलिस) भी महाराष्ट्र के मूल निवासी हैं और यहां अपना योगदान दे रहे हैं।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि यहां निवास कर रहे गुजराती और मराठी समाज ने न केवल अपनी संस्कृति को जीवित रखा है, बल्कि झारखण्ड की मिट्टी से अपनापन जोड़कर इसे समृद्ध भी किया है जो कि हर्ष का विषय है। यह 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना का प्रत्यक्ष उदाहरण है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान ब्रिटिश शासन के विरुद्ध भारत के राष्ट्रीय आंदोलन में भी गुजरात और महाराष्ट्र की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। इन राज्यों के लोगों ने स्वतंत्रता प्राप्ति हेतु अनेक आंदोलनों और संघर्षों में बढ़-चढ़ कर भाग लिया। इन राज्यों की धरती पर अत्याचार और अन्याय के विरुद्ध सत्य और अहिंसा के आधार पर संघर्ष की प्रेरणादायक मिसालें देखने को मिलती हैं। देश की स्वतंत्रता के लिए दिया गया उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

सिक्किम राज्य स्थापना दिवस समारोह

अनुकरणीय विकास का प्रतीक है सिक्किम : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने राज भवन में आयोजित सिक्किम राज्य स्थापना दिवस कार्यक्रम में झारखण्ड में निवास कर रहे सिक्किमवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि हिमालय की गोद में स्थित सिक्किम अपने प्राकृतिक सौंदर्य और शांत वातावरण के लिए पूरे देश में प्रसिद्ध है। खुशियों की धरती के रूप में विख्यात यह राज्य केवल एक भौगोलिक क्षेत्र नहीं, बल्कि अपने नागरिकों के अदम्य साहस, जीवंत संस्कृति और अनुकरणीय विकास का प्रतीक है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि सिक्किम जैविक कृषि, नवीकरणीय ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में देशभर में एक अनुकरणीय उदाहरण बनकर उभरा है। यह भारत का पहला ऐसा राज्य है, जिसने पूरी तरह से जैविक खेती को अपनाया। इको–टूरिज्म, स्वच्छ ऊर्जा और सतत विकास की अवधारणाओं को व्यवहार में लाकर सिक्किम ने सिद्ध किया है कि आधुनिकता और प्रकृति के बीच संतुलन संभव है।

माननीय राज्यपाल ने कहा कि पर्यावरण–अनुकूल पर्यटन को बढ़ावा देकर सिक्किम ने न केवल अपनी आर्थिकी को सशक्त किया है, बल्कि संपूर्ण भारत के लिए हरित पर्यटन का एक आदर्श प्रस्तुत किया है। राज्यपाल महोदय ने यह भी कहा कि सिक्किम अपनी सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक कलाओं और लोक पर्वों को संरक्षण प्रदान करते हुए आधुनिक विकास के मार्ग पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि वे स्वयं भी सिक्किम का भ्रमण कर चुके हैं।

राज भवन में तेलंगाना राज्य स्थापना दिवस समारोह का आयोजन

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज राज भवन में आयोजित तेलंगाना राज्य स्थापना दिवस समारोह के अवसर तेलंगाना राज्य के सभी नागरिकों एवं झारखण्ड में रह रहे तेलंगाना मूल के लोगों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि तेलंगाना राज्य का गठन भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय है, जो एक लंबे जन आंदोलन और क्षेत्रीय आकांक्षाओं का प्रतीक रहा है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि भारत विविधताओं से भरा देश है और 'विविधता में एकता' की भावना सबसे बड़ी शक्ति है। इसी भावना को सशक्त करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' जैसी दूरदर्शी पहल प्रारंभ की गई, जो राज्यों के बीच आपसी समझ, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करती है।

भारत विविधताओं से भरा देश है और 'विविधता में एकता'की भावना सबसे बड़ी शक्ति है। इसी भावना को सशक्त करने के उद्देश्य से माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 'एक भारत,श्रेष्ठ भारत' जैसी दूरदर्शी पहल प्रारम्भ की गई है ।

माननीय राज्यपाल ने कहा कि तेलंगाना राज्य ने कृषि, उद्योग, शिक्षा और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं। उन्होंने बथुकम्मा, बोनालू जैसे लोक पर्वों और चारमीनार, रामप्पा मंदिर जैसी धरोहरों का उल्लेख करते हुए तेलंगाना की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का उल्लेख किया।

राज्यपाल महोदय ने यह भी कहा कि झारखण्ड में रहने वाले अनेक तेलंगाना निवासी यहाँ के विकास में विविध क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं, जो भारत की साझी संस्कृति और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। उन्होंने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे कर्तव्यनिष्ठा, समर्पण और सेवा-भाव से कार्य करें, ताकि न केवल राज्य, बल्कि राष्ट्र की उन्नति में भी योगदान दे सकें।

पश्चिम बंगाल स्थापना दिवस समारोह

झारखण्ड–पश्चिम बंगाल में कई समानताएं : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने राज भवन में आयोजित पश्चिम बंगाल स्थापना दिवस समारोह में झारखण्ड में निवास कर रहे पश्चिम बंगालवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा भारतवर्ष विविधताओं का देश है। यहां की भाषाएं, परंपराएं, संस्कृति और रीति–रिवाज़ अत्यंत समृद्ध हैं तथा हम सब एक सूत्र में बंधे हुए हैं, यही "विविधता में एकता" हमारी सबसे बड़ी शक्ति है और यह पूरी दुनिया के सामने एक अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करती है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि हमें न केवल अपनी भाषा और संस्कृति का सम्मान करना चाहिए, बल्कि अन्य राज्यों की भाषा और संस्कृति का भी आदर करना चाहिए। इस दिशा में हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा आरंभ किया गया "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" एक दूरदर्शी पहल है, जिसका उद्देश्य भारत के विभिन्न राज्यों के बीच एकता, सांस्कृतिक आदान–प्रदान और आपसी समझ को सुदृढ़ बनाना है। उन्होंने कहा कि झारखण्ड और पश्चिम बंगाल, ये दो राज्य न केवल भौगोलिक रूप से जुड़े हैं, बल्कि सांस्कृतिक, सामाजिक और भावनात्मक रूप से भी एक–दूसरे के अत्यंत निकट हैं। झारखण्ड में रह रहे बंगाली समुदाय ने राज्य की सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक प्रगति में जो योगदान दिया है, वह अत्यंत सराहनीय है।

'राष्ट्रीय एकात्मता यात्रा–2025' के प्रतिभागियों से संवाद

परंपरा और संस्कृतियों को जानने का अवसर : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने राज भवन में अंतर–राज्य छात्र जीवन दर्शन (Students' Experience in Inter-state Living – SEIL) के तहत राज्य आए 'राष्ट्रीय एकात्मता यात्रा–2025' के प्रतिभागियों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि हमारा देश "विविधता में एकता" का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है। यह यात्रा युवाओं को देश के विभिन्न राज्यों की यात्रा कर वहां की संस्कृति, परंपराओं और सामाजिक संरचना को समझने का अद्भुत अवसर प्रदान करेगी। राज्यपाल महोदय ने कहा कि यह हर्ष का विषय है कि SEIL, 1966 से राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ कर रहा है और यह संगठन सीमावर्ती एवं सुदूर क्षेत्रों के छात्रों को भारत के अन्य भागों के लोगों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

राज्यपाल महोदय ने झारखण्ड की समृद्ध जनजातीय संस्कृति का उल्लेख करते हुए कहा कि SEIL के माध्यम से देश भर के युवाओं को झारखण्ड की अनूठी सांस्कृतिक विरासत को जानने और समझने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि वे मूल रूप से उत्तर प्रदेश के निवासी हैं और झारखण्ड में राज्यपाल के रूप में आठ माह का अनुभव अच्छा रहा है। उन्होंने इस प्रदेश की संभावनाओं, लोक संस्कृति और परंपराओं को अत्यंत समृद्ध बताया। उन्होंने उल्लेख किया कि पांच वर्ष पूर्व, नई दिल्ली में भी SEIL के लगभग 100 प्रतिभागियों से संवाद हुआ था। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे इस यात्रा के दौरान बने आपसी संबंधों को बनाए रखें। इस अवसर पर श्री रुस्तम (अरुणाचल प्रदेश) और सुश्री अनुमति राधा (असम) ने 'राष्ट्रीय एकात्मता यात्रा–2025' के दौरान अपने अनुभव साझा किए और इसे अविस्मरणीय और शिक्षाप्रद यात्रा बताया।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से राज्य के माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने राज भवन में भेंट की। वार्ता के क्रम में राज्यपाल महोदय ने महाशिवरात्रि पर्व के दिन हजारीबाग में घटित हिंसा की घटनाओं की ओर माननीय मुख्यमंत्री का ध्यान आकृष्ट कराया। इसके अलावा, माननीय राज्यपाल महोदय ने राज्य में पेसा कानून (PESA Act) को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए शीघ्र नियमावली गठित करने हेतु भी कहा।

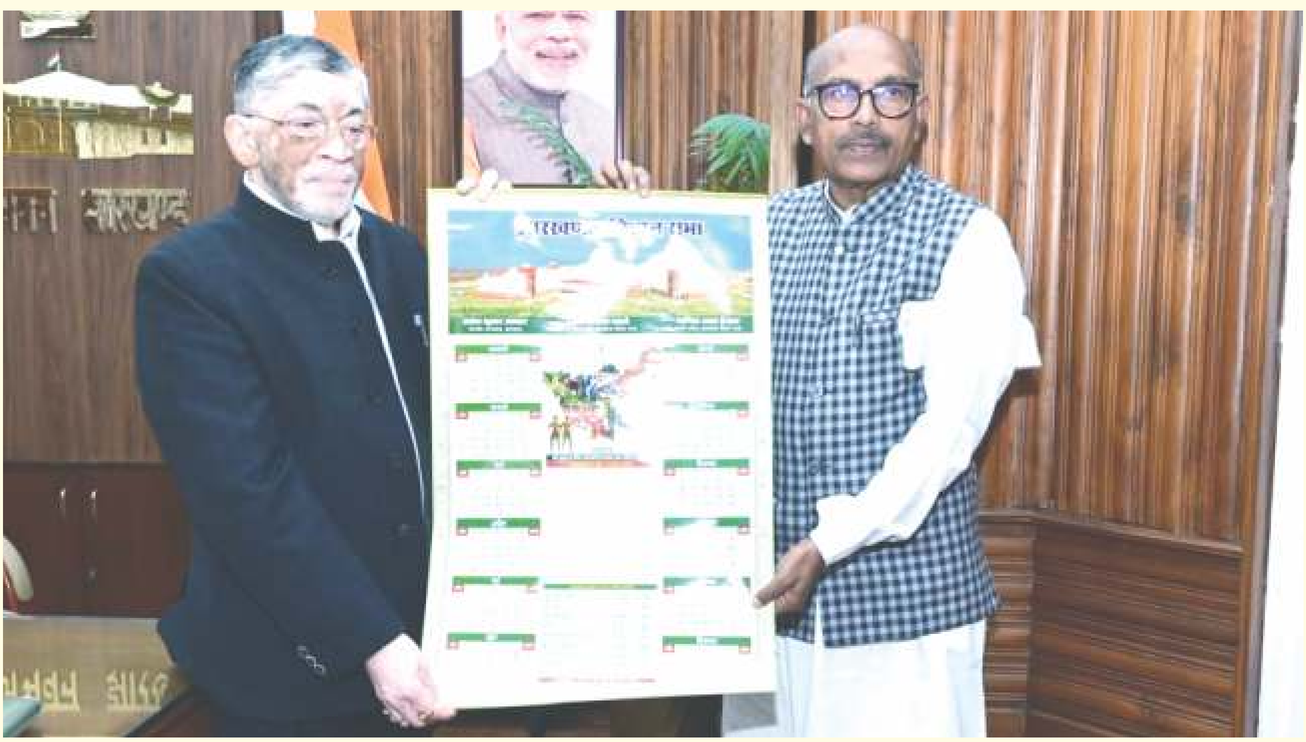

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से झारखण्ड विधानसभा अध्यक्ष श्री रबींद्र नाथ महतो ने राज भवन में भेंट की। इस अवसर पर राज्यपाल महोदय को झारखण्ड विधानसभा द्वारा प्रकाशित 'डायरी' एवं 'कैलेंडर' भेंट किया गया।

'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम

आत्मविश्वास के साथ परीक्षा का सामना करें : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने अमर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय (जिला स्कूल), रांची के बच्चों एवं शिक्षकों के साथ माननीय प्रधानमंत्री जी के 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा। इस अवसर पर राज्यपाल महोदय ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा 'परीक्षा पे चर्चा' विद्यार्थियों के लिए एक प्रेरणादायी पहल है। यह न केवल परीक्षा संबंधी तनाव कम करने का माध्यम है, बल्कि विद्यार्थियों को आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच से आगे बढ़ने की प्रेरणा भी प्रदान करता है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि परीक्षा केवल अंकों तक सीमित नहीं होती, बल्कि यह धैर्य, समर्पण और आत्मविश्वास की परीक्षा भी होती है। 'परीक्षा पे चर्चा' यह सिखाती है कि तनाव से मुक्त होकर आत्मविश्वास के साथ एक स्पष्ट योजना बनाकर परीक्षाओं का सामना किया जाए।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि जिला स्कूल का गौरवशाली इतिहास रहा है। पूर्व में धारणा थी कि जिला स्कूल में जिसका नामांकन होता था, वह समाज का बहुत मेधावी विद्यार्थी होता था। हमारे विद्यार्थी एवं शिक्षक जिला स्कूल की उत्कृष्टता की दिशा में व्यापक रूप से कार्य करें। वे अन्य विद्यालयों के समक्ष अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करें। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि पढ़ाई को केवल परीक्षा तक सीमित न रखें, बल्कि ज्ञान को आत्मसात करें। नियमित अभ्यास करें, समय का सही प्रयोग करें एवं आत्मविश्वास बनाए रखें।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि आदरणीय माननीय प्रधानमंत्री जी हमेशा इस बात पर बल देते हैं कि हमें परीक्षा को एक अवसर की तरह देखना चाहिए, न कि किसी दबाव की तरह। हार और जीत से अधिक महत्वपूर्ण यह है कि हम अपने प्रयासों में निरंतरता बनाए रखें, परिश्रम में कमी न करें। कठिनाइयां आएंगी, लेकिन जो विद्यार्थी हर चुनौती को सीखने का अवसर मानता है, वही जीवन में सफलता प्राप्त करता है। उक्त अवसर पर राज्यपाल महोदय ने सभी से संवाद कर सभी को प्रोत्साहित किया एवं सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा विकसित भारत@2047 में अपना सक्रिय योगदान देने हेतु कहा।

68वीं अखिल भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट–2025

पुलिस बल आंतरिक सुरक्षा, शांति एवं कानून–व्यवस्था का आधार स्तंभ : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने '68वीं अखिल भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट–2025' मरांग गोमके जयपाल सिंह स्टेडियम, खेलगांव, रांची में आयोजित कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन न केवल पुलिस बल की कार्य कुशलता को प्रदर्शित करते हैं, बल्कि आपसी सहयोग, नवीन तकनीकों के आदान–प्रदान और पुलिसकर्मियों के मनोबल को बढ़ाने का अवसर भी प्रदान करते हैं। राज्यपाल महोदय ने कहा कि पुलिस बल किसी भी राष्ट्र की आंतरिक सुरक्षा, शांति एवं कानून–व्यवस्था का मजबूत आधार स्तंभ है। वे प्रतिकूल परिस्थितियों में भी जन हित एवं राज्य हित में समर्पित भाव से कार्य करने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि वर्तमान समय में साइबर अपराध, वित्तीय धोखाधड़ी, मानव तस्करी और संगठित अपराध जैसी चुनौतियां बढ़ रही हैं। इनसे प्रभावी ढंग से निपटने के लिए पुलिस बल को अत्याधुनिक तकनीकों और विशिष्ट कौशल से सुसज्जित होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कुछ समय पूर्व लागू किए गए नए आपराधिक कानून हमारी न्याय प्रणाली को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। इन कानूनों का उद्देश्य न्याय प्रक्रिया को अधिक सरल, सुलभ और पीड़ित–केंद्रित बनाना है, जिससे अपराधियों को त्वरित सजा मिल सके और पीड़ितों को शीघ्र न्याय मिले।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा 'स्मार्ट पुलिसिंग' की परिकल्पना की गई है। पुलिस सेवा का समाज में शांति कायम करने, महिला सशक्तिकरण, बाल संरक्षण, ट्रैफिक प्रबंधन और आपदा प्रबंधन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में भी योगदान है। राज्यपाल महोदय ने आशा प्रकट करते हुए कहा कि यह आयोजन पुलिस बल को आधुनिक अनुसंधान पद्धतियों को अपनाने हेतु प्रेरित करेगा और उनकी क्षमताओं को और अधिक सशक्त बनाएगा। यह सुनिश्चित करना होगा कि पुलिस बल नवीनतम तकनीकी संसाधनों से लैस हो, ताकि वे अपराध नियंत्रण, साइबर अपराध, आतंकवाद और अन्य जटिल चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना कर सकें।

ईस्टर्न कमांड अलंकरण समारोह–2025

माननीय राज्यपाल ने वीरता पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को दी शुभकामनाएं

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने कॉकरेल इकोलॉजिकल पार्क एवं प्रशिक्षण क्षेत्र, दीपाटोली, रांची में आयोजित ईस्टर्न कमांड अलंकरण समारोह–2025 में वीरता पुरस्कार प्राप्त करने वाले सैनिकों एवं उनके परिजनों से भेंट की तथा उनके साथ भोजन किया। इस अवसर पर उन्होंने राष्ट्र सेवा में समर्पित वीर जवानों के अदम्य साहस, त्याग और बलिदान को नमन किया।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि भारतीय सेना के वीर योद्धा देश की अखंडता एवं संप्रभुता की रक्षा के लिए जिस अदम्य साहस और वीरता का परिचय देते हैं, वह प्रत्येक नागरिक के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने वीर सैनिकों एवं उनके परिजनों को बधाई देते हुए कहा कि समाज और राष्ट्र को आप सभी पर गर्व है। इस अवसर पर सेना के वरिष्ठ अधिकारीगण, गणमान्य अतिथि एवं सैनिक परिवारों के सदस्य उपस्थित रहे।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने बिरसा मुंडा एयरपोर्ट, रांची जाकर जम्मू–कश्मीर के अखनूर सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पास हुए विस्फोट में हजारीबाग के शहीद कैप्टन सरदार करमजीत सिंह बख्शी के पार्थिव शरीर पर पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने शोक संतप्त परिवारजनों से भेंट कर संवेदना प्रकट की। उन्होंने कहा कि भारत माता के इस वीर सपूत का बलिदान व्यर्थ नहीं जायेगा।

राज भवन, रांची उद्यान का भ्रमण व परिदर्शन

माननीय राज्यपाल महोदय के निदेशानुसार राज भवन उद्यान को आम नागरिकों के भ्रमण एवं परिदर्शन हेतु दिनांक 6 फरवरी से 12 फरवरी, 2025 तक खोला गया था। 12 फरवरी तक 2,50,000 लोगों ने इस वर्ष राज भवन, रांची उद्यान का भ्रमण व परिदर्शन किया।

लाखों लोगों ने किया राज भवन, रांची उद्यान का भ्रमण व परिदर्शन राज्यपाल ने आगंतुकों से किया संवाद

राज्यपाल महोदय उद्यान भ्रमण करने के लिए आये आगंतुकों से निरंतर मिले। उन्होंने विभिन्न आयु वर्ग के लोगों, विशेषकर छात्र–छात्राओं से संवाद किया, उनकी जिज्ञासाओं का उत्तर दिया एवं उनकी प्रतिक्रियाएँ जानीं। इस दौरान उन्होंने आगंतुकों के साथ तस्वीरें खिंचवाईं। राज्यपाल महोदय की सहजता और आत्मीयता ने सभी आगंतुकों को अभिभूत कर दिया।

भारत की माननीया राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी के झारखण्ड आगमन पर बिरसा मुण्डा एयरपोर्ट पर स्वागत करते माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ।

भारत की माननीया राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से राज भवन में माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर राज्यपाल महोदय ने राज्य के विकास से संबंधित विभिन्न विषयों पर राष्ट्रपति महोदया से विस्तृत चर्चा की। भेंट के क्रम में राज्यपाल महोदय ने राष्ट्रपति महोदया को उनका एक पोर्ट्रेट भी भेंट किया।

'पहला कदम दिव्यांग स्कूल' के बच्चों से संवाद

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने धनबाद स्थित 'पहला कदम दिव्यांग स्कूल' के बच्चों एवं विद्यालय परिवार से जुड़े सदस्यों से राज भवन में संवाद करते हुए कहा कि वे इस विद्यालय का भ्रमण एवं अवलोकन कर चुके हैं। राज्यपाल महोदय ने कहा कि केंद्र सरकार दिव्यांगजन के सशक्तिकरण और समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा उन्हें 'दिव्यांग' संबोधित किया गया, जो दिव्यांगजनों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को प्रकट करता है। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे दिव्यांगजनों के उत्थान में सक्रिय भूमिका निभाएं और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के प्रयासों में सहयोग करें।

विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि यह संस्थान मात्र दो बच्चों के साथ प्रारंभ हुआ था और आज यह दिव्यांग बच्चों को विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से स्वावलंबी बनाने का कार्य कर रहा है। विद्यालय के छात्र राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर की विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुके हैं। इस अवसर पर बच्चों ने झारखण्ड के लोकगीत पर नृत्य प्रस्तुत किया, जिसे सभी ने सराहा। राज्यपाल महोदय ने विद्यालय के प्रयासों की सराहना की और सभी बच्चों को उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दीं।

झारखण्ड विधानसभा सत्र

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने झारखण्ड विधान सभा में भारत के संविधान के अनुच्छेद 176(1) के अंतर्गत षष्ठम् झारखण्ड विधान सभा के द्वितीय (बजट) सत्र को संबोधित किया।

राज भवन में NCC एवं NSS का 'ऐट होम' कार्यक्रम

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने राज भवन, रांची में आयोजित 'AT HOME' कार्यक्रम में एनसीसी कैडेट्स और एनएसएस स्वयंसेवकों को गणतंत्र दिवस शिविर–2025 में झारखण्ड राज्य का गौरवपूर्ण प्रतिनिधित्व करने हेतु बधाई देते हुए कहा कि एनसीसी और एनएसएस संगठनों की भूमिका राष्ट्र निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि ये संगठन युवाओं को सामाजिक सेवा, राष्ट्र भक्ति और अनुशासन की दिशा में प्रेरित करते हैं। रक्त दान, साक्षरता अभियान, वृक्षारोपण, स्वच्छ भारत मिशन, पर्यावरण संरक्षण और आपदा प्रबंधन जैसे कार्यों में इनकी सक्रिय भागीदारी सराहनीय रही है। उन्होंने एनसीसी से अपने जुड़ाव का स्मरण करते हुए कहा कि छात्र जीवन में उनका भी एनसीसी से गहरा नाता रहा है और सैन्य सेवा की ओर उनका झुकाव था। हालांकि आपातकाल के दौरान जेल जाने के बाद उनके जीवन ने एक नया मोड़ ले लिया और वे राजनीति में सक्रिय हो गए। बरेली की जनता के स्नेह से वे आठ बार लोकसभा सांसद चुने गए और अब झारखण्ड राज्य के राज्यपाल के रूप में अपने संवैधानिक कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं।

माननीय राज्यपाल ने महिला सशक्तिकरण की चर्चा करते हुए एनसीसी और एनएसएस में बेटियों की बढ़–चढ़कर भागीदारी को एक उज्ज्वल उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि हमारी बेटियां आज अपने साहस और नेतृत्व क्षमता से देश और समाज को नई दिशा दे रही हैं, जो हम सभी के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने युवाओं से विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री जी के 'युवा शक्ति, विकसित भारत' के विज़न का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने के सपने को साकार करने में युवाओं की भूमिका सबसे अहम है। उन्होंने कहा कि एनसीसी और एनएसएस देश की विविधता में एकता का उत्कृष्ट उदाहरण हैं, जहां भारत के विभिन्न राज्यों के छात्र–छात्राएं एकजुट होकर अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और नेतृत्व की भावना का विकास करते हैं।

राज्यपाल महोदय ने झारखण्ड के अधिक से अधिक युवाओं को एनसीसी और एनएसएस से जुड़ने का आह्वान किया ताकि वे शिक्षा के साथ–साथ सामाजिक दायित्वों का भी सफलतापूर्वक निर्वहन करें और राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।

'नमो ई–लाइब्रेरी–सह–साइबरपीस कम्युनिटी सेंटर' का उद्घाटन

लाईब्रेरी ज्ञान का भव्य द्वार : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल ने अरगोड़ा, रांची में 'नमो ई–लाइब्रेरी सह साइबरपीस कम्युनिटी सेंटर' का उद्घाटन किया। इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 'नमो ई–लाइब्रेरी' ज्ञान का एक भव्य द्वार है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक पुस्तकालय नहीं, बल्कि डिजिटल शिक्षा और शोध का एक अत्याधुनिक केंद्र है। उन्होंने अपने संसदीय क्षेत्र में 2005 में पुस्तकालय की स्थापना का उल्लेख करते हुए कहा कि बेहतर होगा कि इस केंद्र के लिए एक उपयुक्त व पृथक स्थान तलाश कर इसे और विस्तार दिया जाए, ताकि अधिक से अधिक बच्चे इससे लाभान्वित हो सकें। साथ ही, इसके संचालन को सुचारू बनाए रखने के लिए समाज से निरंतर सुझाव लिये जाएं।

राज्यपाल महोदय ने साइबरपीस कम्युनिटी सेंटर की सराहना करते हुए कहा कि यह केंद्र तकनीकी सशक्तिकरण का सशक्त माध्यम बनेगा। आशा है कि इस प्रकार की पहल झारखण्ड को साइबर सुरक्षा, तकनीकी शिक्षा और नवाचार का प्रमुख केंद्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उक्त अवसर पर राज्यपाल महोदय ने वहां स्थापित 'बुक बैंक' का भी अवलोकन किया।

राज्यपाल महोदय ने माननीय प्रधानमंत्री जी को 'राज भवन पत्रिका' भेंट की

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी से नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट की तथा राज्य के विकास व विधि-व्यवस्था से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की। राज्यपाल महोदय ने इस अवसर पर राज भवन, रांची द्वारा प्रकाशित 'राज भवन पत्रिका' की प्रति माननीय प्रधानमंत्री को भेंट की। यह पत्रिका 31 जुलाई 2024 से 31 जनवरी 2025 की अवधि में राज भवन, झारखण्ड की विभिन्न गतिविधियों, महत्वपूर्ण आयोजनों और पहलों का संकलन है।

विदित हो कि राज्यपाल महोदय न केवल जनसमस्याओं के प्रति संवेदनशील हैं, बल्कि उनके समाधान के लिए ठोस पहल करने हेतु निरंतर सक्रिय रहते हैं। उन्होंने राज भवन को आम जनमानस से जोड़ने हेतु कई सार्थक पहल किये हैं। उनकी कार्यशैली में पारदर्शिता, संवाद और सहभागिता की स्पष्ट झलक मिलती है। वे राज्य के समग्र विकास हेतु विभिन्न प्रतिनिधिमंडलों, शिक्षाविदों, सामाजिक संगठनों, प्रशासनिक अधिकारियों और उद्योग जगत के विशेषज्ञों से नियमित सुझाव लेते हैं, जिससे सुशासन को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। इस अंक में राज्यपाल महोदय द्वारा नागरिकों से संवाद, केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने और जनकल्याण को साकार करने से संबंधित गतिविधियों को विशेष रूप से शामिल किया गया है। उन्होंने विभिन्न विश्वविद्यालयों और विद्यालयों का भ्रमण कर शैक्षणिक गुणवत्ता और आधारभूत सुविधाओं का आकलन किया तथा छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया। वे अन्य राज्यों से आने वाले आगंतुकों को झारखण्ड की विशिष्ट सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराने और जनजातीय समाज के उत्थान एवं सशक्तिकरण हेतु विशेष पहल करने में अग्रसर रहते हैं।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने भारत की माननीया राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी से राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट की तथा राज्य के विकास से संबंधित विभिन्न अहम विषयों पर विस्तृत चर्चा की। राज्यपाल महोदय ने इस अवसर पर राज भवन, रांची द्वारा प्रकाशित 'राज भवन पत्रिका' की प्रति राष्ट्रपति महोदया को भेंट की। यह पत्रिका 31 जुलाई 2024 से 31 जनवरी 2025 तक राज भवन, झारखण्ड की विभिन्न गतिविधियों पर आधारित है।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने नई दिल्ली में माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह से भेंट की तथा राज्य की विकास योजनाओं और वर्तमान विधि–व्यवस्था पर विस्तृत चर्चा की। राज्यपाल महोदय ने इस अवसर पर राज भवन, रांची द्वारा प्रकाशित 'राज भवन पत्रिका' की प्रति माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री को भेंट की। यह पत्रिका 31 जुलाई 2024 से 31 जनवरी 2025 की अवधि में राज भवन, झारखण्ड की विभिन्न गतिविधियों, महत्वपूर्ण आयोजनों और पहलों का संकलन है।

झारखण्ड गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन सेवा की वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता–2025 का उद्घाटन

खेलकूद से अनुशासन, स्वस्थ प्रतिस्पर्द्धा को बढ़ावा : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने झारखण्ड गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन सेवा की वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता–2025 का उद्घाटन करते हुए कहा कि खेलकूद हमारे जीवन में अनुशासन, टीम भावना और स्वस्थ प्रतिस्पर्द्धा को बढ़ावा देता है। यह शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने झारखण्ड गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन सेवा विभाग द्वारा अपने जवानों के स्वास्थ्य और मनोबल को बढ़ाने के लिए इस तरह के आयोजन करने की सराहना की। राज्यपाल महोदय ने गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन सेवा के जवानों द्वारा राज्य की आंतरिक सुरक्षा और आपदा प्रबंधन में निभाई जा रही भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि हमारे अग्निशमन कर्मी अपनी जान की परवाह किए बिना अगलगी की घटनाओं को रोकने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि झारखण्ड गृह रक्षा वाहिनी के जवान राज्य के विभिन्न प्रतिष्ठानों की सुरक्षा, ट्रैफिक व्यवस्था और चुनावी प्रक्रियाओं में भी अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते आ रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि गृह रक्षकों के मानदेय में वृद्धि होने से उनके पारिवारिक जीवन और बच्चों की शिक्षा में सहायता मिल रही है। उन्होंने सुझाव दिया कि गृह रक्षकों को 'स्वास्थ्य बीमा' की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाए। माननीय राज्यपाल ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि यह वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता जवानों को अपनी प्रतिभा दिखाने और एक–दूसरे के साथ स्वस्थ प्रतिस्पर्द्धा करने का अवसर प्रदान करेगी। उन्होंने सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

माननीया राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी की गरिमामयी उपस्थिति में माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार उत्तर प्रदेश के बरेली स्थित ICAR-भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान (IVRI) में आयोजित दीक्षांत समारोह में सम्मिलित हुए।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने उत्तर प्रदेश की माननीया राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल से बरेली में शिष्टाचार भेंट की।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ से बरेली में शिष्टाचार भेंट की।

'भारत में तसर रेशम उद्योग के समावेशी विकास' पर संगोष्ठी

तसर उद्योग जनजातीय समुदाय की संस्कृति का हिस्सा : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने केंद्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान (वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार), रांची एवं जैव-विविधता बोर्ड एवं वन विभाग, झारखण्ड द्वारा केंद्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, रांची में 'भारत में तसर रेशम उद्योग के समावेशी विकास' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि तसर रेशम उद्योग न केवल एक कृषि आधारित उद्योग है, बल्कि यह जनजातीय समुदाय की परंपरा और संस्कृति का भी अभिन्न हिस्सा है। झारखण्ड इस उद्योग में देश का अग्रणी राज्य है और बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों की आजीविका इससे जुड़ी हुई है। उन्होंने तसर रेशम उद्योग को पर्यावरण-संवेदनशील एवं सतत विकास का उदाहरण बताते हुए कहा कि इससे न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बल मिलता है, बल्कि वन संरक्षण को भी बढ़ावा मिलता है।

राज्यपाल महोदय ने अपने पूर्व के अनुभव साझा करते हुए कहा कि उन्हें माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व वाली सरकार में मई 2014 में केंद्रीय वस्त्र राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के रूप में कार्य करने का अवसर मिला। इस दौरान उन्होंने रेशम कृषकों और बुनकरों के कल्याण हेतु किए जा रहे प्रयासों को निकटता से देखा और उनकी आय बढ़ाने के लिए हरसंभव प्रयास किए। राज्यपाल महोदय ने कहा कि वैश्विक बाजार में तसर रेशम की मांग लगातार बढ़ रही है और हमें इस अवसर का लाभ उठाते हुए भारतीय तसर रेशम को एक विशेष पहचान दिलानी होगी। इसके लिए ब्रांडिंग, गुणवत्ता नियंत्रण, निर्यात संवर्धन एवं तकनीकी उन्नति पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने इस क्षेत्र में अनुसंधान एवं नवाचार को और अधिक बढ़ावा देने का आह्वान किया। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि झारखण्ड के सारंडा जंगल को अक्सर 'भारत की तसर राजधानी' कहा जाता है और माना जाता है कि तसर की उत्पत्ति यहीं हुई थी।

माननीय राज्यपाल ने वैज्ञानिकों एवं शोधकर्ताओं से आह्वान किया कि वे तसर रेशम के उप-उत्पादों एवं उत्पाद विविधीकरण पर विशेष ध्यान दें, जिससे स्थानीय कारीगरों एवं बुनकरों की आय में वृद्धि हो सके। इस अवसर पर उन्होंने तसर उत्पादों एवं उनकी प्रसंस्करण प्रक्रिया का अवलोकन किया। राज्यपाल महोदय द्वारा एक पुस्तक/शोध पत्र का विमोचन भी किया गया। साथ ही, इस क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया गया।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने जयपुर राज भवन में राजस्थान के माननीय राज्यपाल श्री हरिभाऊ किशनराव बागड़े जी से शिष्टाचार भेंट की।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से भारतीय प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों ने राज भवन में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर राज्यपाल महोदय ने अधिकारियों से संवाद करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा उन्हें अपने कर्तव्यों के प्रति सदैव समर्पित रहने का संदेश दिया। माननीय राज्यपाल से प्रशिक्षु अधिकारियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए झारखण्ड में प्रशिक्षण के दौरान मिले अवसरों और सीख पर चर्चा की।

'अर्थ आवर डे' के अवसर पर राज भवन में विद्युत उपकरणों को बंद कर पर्यावरण संरक्षण व ऊर्जा संरक्षण का संदेश दिया गया।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने 133वीं सीआरपीएफ बटालियन, सेक्टर-2, धुर्वा पहुंचकर पश्चिमी सिंहभूम में आईईडी विस्फोट की घटना में घायल होने के उपरांत शहीद हुए सीआरपीएफ जवान सुनील कुमार मंडल के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। राज्यपाल महोदय ने कहा कि जवान सुनील कुमार मंडल का अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान सदैव स्मरणीय रहेगा और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बना रहेगा। राज्यपाल महोदय ने शहीद के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि इस दुखद घड़ी में पूरा राष्ट्र उनके साथ खड़ा है।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार की गरिमामयी उपस्थिति में राज भवन में झारखण्ड विधानसभा के बजट सत्र–2025 के उपलक्ष्य में माननीय मंत्री एवं विधायकगणों के सम्मान में रात्रि भोज का आयोजन किया गया। उक्त अवसर पर राज्य के माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन, विधानसभा अध्यक्ष श्री रबीन्द्रनाथ महतो, माननीय मंत्रीगण, माननीय सांसदगण, माननीय विधायकगण तथा वरीय पदाधिकारीगण सम्मिलित हुए।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से श्री एस. के. सिंह, कमांडेंट, बटालियन–9, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एन.डी.आर.एफ.) ने राज भवन में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर राज्यपाल महोदय को श्री सिंह ने रांची में एन.डी.आर.एफ. की शाखा की स्थापना से संबंधित प्रस्तावित योजनाओं एवं पहलुओं से अवगत कराया।

माननीय वित्त मंत्री ने माननीय राज्यपाल से भेंट की तथा नीलाम्बर–पीताम्बर विश्वविद्यालय पलामू के भवन संबंधी अनियमितता की जाँच कराने हेतु आभार प्रकट किया।

माननीय राज्यपाल–सह–झारखण्ड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति श्री संतोष कुमार गंगवार से राज्य के माननीय वित्त मंत्री श्री राधाकृष्ण किशोर ने राज भवन में भेंट की तथा राज्यपाल महोदय का नीलाम्बर–पीताम्बर, पलामू के भवन निर्माण की गुणवत्ता एवं अनियमितता संबंधी जांच कराने हेतु आभार प्रकट किया। उक्त अवसर पर उन्होंने जांच में दोषी पाए गए प्रभारी कुलसचिव, Dean Student Welfare, सी.सी.डी.सी. एवं Proctor आदि दोषी अधिकारियों पर शीघ्र कार्रवाई करने हेतु पहल करने का आग्रह किया। उन्होंने विश्वविद्यालय के भवन निर्माण की गुणवत्ता एवं अनियमितताओं संबंधी अन्य विषयों की स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराने हेतु आग्रह किया।

उल्लेखनीय है कि 13 फरवरी, 2025 को माननीय राज्यपाल महोदय के समक्ष श्री राधाकृष्ण किशोर, माननीय मंत्री, झारखण्ड सरकार द्वारा नीलाम्बर–पीताम्बर विश्वविद्यालय, पलामू के भवन निर्माण की गुणवत्ता के संदर्भ में शिकायत की गई थी। राज्यपाल महोदय ने इस पर त्वरित संज्ञान लेते हुए 3 सदस्यीय जांच समिति का गठन किया, जिसने स्थल निरीक्षण कर विभिन्न विसंगतियों की जांच कर राज्यपाल महोदय के समक्ष अपना प्रतिवेदन समर्पित किया। प्रतिवेदन के अनुसार, निर्माण कार्य स्वीकृत प्राक्कलन के अनुरूप नहीं पाया गया तथा संवेदक द्वारा निम्न गुणवत्ता का कार्य किया गया है।

उक्त अवसर पर माननीय वित्त मंत्री ने राज्यपाल महोदय को राज्य के 2024–25 के राजस्व संग्रहण एवं राज्य की विकास योजनाओं के संबंध में भी जानकारी प्रदान की।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष श्री ए.पी. सिंह ने राज भवन में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर राज्यपाल महोदय को श्री सिंह ने 'झारखण्ड राज्य के पांचवे वित्त आयोग का प्रथम प्रतिवेदन' समर्पित किया।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम के तहत गोवा से आए शिक्षाविदों ने राज भवन में भेंट की। ये शिक्षाविद रांची विश्वविद्यालय, रांची के शैक्षणिक भ्रमण पर आए हुए थे। राज्यपाल महोदय ने शिक्षाविदों से संवाद के क्रम में राज्य में उच्च शिक्षा को और गुणात्मक व प्रभावी बनाने की अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि राज्य के विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शिक्षा मिले, ताकि वे प्रतिस्पर्धा के इस युग में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर सकें। उन्होंने यह भी कहा कि वे शैक्षणिक मानकों के अनुपालन और सत्रों के नियमितीकरण के लिए प्रतिबद्धता के साथ प्रयास कर रहे हैं।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से राज भवन में लेफ्टिनेंट जनरल पी. एस. शेखावत, PVSM, AVSM, SM, जीओसी, मध्य भारत एरिया ने सौजन्य भेंट की तथा राज्यपाल महोदय को स्मृति चिह्न भेंट किया।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने महान स्वतंत्रता सेनानी अमर शहीद रघुनाथ महतो जी की पुण्यतिथि के अवसर पर लोवाडीह, रांची स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि मातृभूमि की रक्षा हेतु दिया गया उनका बलिदान युगों–युगों तक सभी को देशभक्ति की प्रेरणा देता रहेगा।

'विकसित भारत युवा संसद' के प्रतिभागियों से की मुलाकात

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय 'विकसित भारत युवा संसद' में झारखंड के प्रतिभागियों की उत्कृष्ट भागीदारी के लिए उन्हें राज भवन में सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने रिया गुप्ता, श्वेता कुमारी और आयशा फातिमा सहित झारखंड के यूथ आइकन गौरव अग्रवाल को सम्मानित किया।

राज्यपाल महोदय ने इस अवसर पर कहा कि युवाओं को शिक्षा के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा को निखारने के अवसर मिलने चाहिए, जिससे उनका समग्र विकास सुनिश्चित हो सके। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

नारी सम्मान समारोह

राष्ट्र निर्माण की धुरी हैं महिलाएं : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने दैनिक समाचार पत्र दैनिक जागरण द्वारा होटल रेडिशन ब्लू में आयोजित नारी सम्मान समारोह में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित करते हुए कहा कि नारी शक्ति ही सृजन, ममता और शक्ति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जहाँ नारी का सम्मान होता है, वहीं ईश्वर का वास होता है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि यह समारोह उन बेटियों, माताओं और बहनों को समर्पित है, जिन्होंने साहस, संकल्प और प्रतिभा से समाज में एक विशेष स्थान बनाया है। उन्होंने पद्मश्री छुटनी महतो और पद्मश्री चामी मुर्मू के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि ये महिलाएं समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कई सम्मानित महिलाएं सामाजिक एवं आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद अपने आत्मबल और संघर्ष से आगे बढ़ीं और सफलता अर्जित की। उन्होंने कहा, आपकी परिस्थितियां नहीं, आपकी सोच और कर्म ही आपकी असली पहचान हैं।

माननीय राज्यपाल ने सम्मानित चिकित्सकों से अपेक्षा की कि वे सेवा को अपने पेशे का मूल बनाते हुए निःस्वार्थ भाव से जरूरतमंदों की मदद करें। साथ ही, विद्यालय प्रबंधन से आह्वान किया कि वे संसाधनों के अभाव में शिक्षा से वंचित बच्चों को आगे बढ़ने का अवसर दें। राज्यपाल महोदय ने कहा कि उन्होंने सदैव जन सेवा को अपना ध्येय बनाया और बरेली की जनता के विश्वास के बल पर 8 बार लोकसभा का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने प्रधानमंत्री जी द्वारा आरंभ की गई 'बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ', 'उज्ज्वला योजना', 'मातृत्व वंदना योजना' जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार महिलाओं को राष्ट्र निर्माण की धुरी मानती है। उन्होंने कहा, जब महिलाएं सशक्त होंगी, तभी भारत आत्मनिर्भर होगा।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष गंगवार ने देवघर स्थित विश्व प्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ धाम में विधिवत पूजा–अर्चना की तथा राज्य के सभी नागरिकों के सुख, समृद्धि एवं कल्याण की कामना की। इससे पूर्व तीर्थ पुरोहितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ राज्यपाल महोदय को संकल्प कराया गया। तत्पश्चात उन्होंने बाबा बैद्यनाथ का जलाभिषेक व आराधना की। पूजन के उपरांत देवघर के उपायुक्त श्री विशाल सागर ने राज्यपाल महोदय को स्मृति चिह्न भेंट किया।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार देवघर जिले के कुशमाहा स्थित पूर्व मंत्री श्री बादल पत्रलेख के पैतृक आवास पहुंचे। वहां उन्होंने श्री बादल पत्रलेख के पिता स्व. हरिशंकर पत्रलेख की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। राज्यपाल महोदय ने दिवंगत आत्मा की चिरशांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की तथा शोकाकुल परिवारजनों से मिलकर संवेदना व्यक्त की।

देवघर में 'श्री मंगल धाम' भूमि पूजनोत्सव

वंचित वर्गों की सेवा से बड़ा कोई पुण्य नहीं : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार देवघर में हनुमान जयंती के पावन अवसर पर सेवा फाउंडेशन, देवघर द्वारा आयोजित 'श्री मंगल धाम' के भूमि पूजनोत्सव में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर राज्यपाल महोदय ने भगवान हनुमान को न केवल शक्ति और भक्ति का प्रतीक, बल्कि निःस्वार्थ सेवा, आत्मसंयम और कर्तव्यपरायणता का आदर्श बताया। उन्होंने कहा कि यह पावन दिन हम सभी को अपने कर्तव्यों का पालन पूर्ण निष्ठा और समर्पण के साथ करने का संकल्प दिलाता है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि देवघर केवल एक धार्मिक तीर्थ ही नहीं, बल्कि श्रद्धा, आस्था और अध्यात्म की दिव्य भूमि है। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र एक समृद्ध धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन केंद्र के रूप में विख्यात है। उन्होंने विश्वास जताया कि आधारभूत संरचना के सशक्त विकास के माध्यम से देवघर को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर भी विशिष्ट स्थान दिलाया जा सकता है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि यह हर्ष का विषय है कि सेवा फाउंडेशन, देवघर द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य एवं कौशल विकास के क्षेत्र में कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि समाज के वंचित वर्गों की सेवा से बड़ा कोई पुण्य कार्य नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि ऐसे सेवा भाव युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेंगे और श्री मंगल धाम श्रद्धा और सेवा का संगम स्थल बनकर मानव कल्याण की भावना को निरंतर प्रज्जवलित करता रहेगा। राज्यपाल महोदय ने सभी उपस्थित जनों से आग्रह किया कि वे परोपकार, संयम और सेवा के पथ पर अग्रसर हों।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने टेंडर ग्राम, रांची स्थित झारखण्ड जगुआर मुख्यालय पहुंचकर चाईबासा में सर्च अभियान के दौरान आईईडी विस्फोट में वीरगति को प्राप्त झारखण्ड जगुआर के वीर जवान सुनील धान के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। राज्यपाल महोदय ने कहा कि मातृभूमि की रक्षा हेतु दिया गया उनका यह बलिदान अविस्मरणीय है। राज्यपाल महोदय ने शहीद के परिजनों से भेंट कर गहरी संवेदना व्यक्त की और कहा कि इस दुःख की घड़ी में पूरा झारखण्ड उनके साथ खड़ा है।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने राज अस्पताल, रांची जाकर चाईबासा में सर्च अभियान के दौरान आईईडी विस्फोट में घायल हुए 203 कोबरा बटालियन के जवान श्री विष्णु सेनी के स्वास्थ्य की जानकारी प्राप्त की। राज्यपाल महोदय ने चिकित्सकों से जवान के उपचार की प्रगति की जानकारी ली और उनके बेहतर एवं शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से राज्य के माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने राज भवन में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री महोदय ने अपने हाल ही के विदेश भ्रमण के दौरान राज्य में औद्योगिक निवेश के लिए किए गए प्रयासों के बारे में राज्यपाल महोदय को अवगत कराया। उक्त अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी व विधानसभा सदस्य श्रीमती कल्पना सोरेन भी उपस्थित थीं।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से राज्य के वित्त, वाणिज्य कर, योजना एवं विकास तथा संसदीय कार्य मंत्री श्री राधाकृष्ण किशोर ने राज भवन में भेंट की। इस अवसर पर माननीय मंत्री ने राज्यपाल महोदय को वित्त विभाग, झारखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित "Memorandum to 16th Finance Commission" की प्रति भेंट की।

राज भवन में 'विश्व पृथ्वी दिवस' समारोह आयोजित

छात्र बनें 'पर्यावरण रक्षक' : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार की गरिमामयी उपस्थिति में राज भवन के बिरसा मंडप में 'विश्व पृथ्वी दिवस समारोह' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डीपीएस, रांची के छात्र–छात्राओं द्वारा पर्यावरण विषयक संदेशों से युक्त विविध प्रस्तुतियां दी गयीं। राज्यपाल महोदय द्वारा राज भवन परिसर में वृक्षारोपण कर इस दिवस के महत्व को रेखांकित किया गया। राज्यपाल महोदय ने कहा कि यह दिवस हमें हमारी धरती माता के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और उसके संरक्षण हेतु अपने दायित्वों को निभाने का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष विश्व पृथ्वी दिवस की थीम – "Our Power, Our Planet" – हम सभी को नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग और स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को 2030 तक तीन गुना बढ़ाने के लिए प्रेरित करती है।

राज्यपाल महोदय ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी हमारे भविष्य के निर्माता हैं। आपके छोटे–छोटे प्रयास, जैसे कि प्लास्टिक का कम उपयोग, जल और ऊर्जा की बचत, वृक्षारोपण और पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाना, अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने छात्र–छात्राओं को 'पर्यावरण रक्षक' की संज्ञा दी और कहा कि उनका आचरण पूरे समाज को प्रेरणा दे सकता है। उन्होंने कहा कि राज भवन पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सक्रिय है। यहां वर्षा जल संचयन, सौर ऊर्जा का उपयोग जैविक खाद निर्माण जैसी पहल की। उन्होंने सभी से धरती माता के प्रति कृतज्ञ रहने और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण हेतु सजग और समर्पित रहने का आह्वान किया।

शहीद चानकु महतो की प्रतिमा का अनावरण

बड़ी जन क्रांति के नायक थे चानकु महतो : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने पूर्वी सिंहभूम जिलान्तर्गत चाकुलिया प्रखण्ड के भालुकबिंधा ग्राम में स्वतंत्रता सेनानी चानकु महतो की प्रतिमा का अनावरण किया। राज्यपाल महोदय ने वीर शहीद चानकु महतो के साहस और बलिदान को नमन करते हुए कहा कि यह प्रतिमा केवल एक मूर्ति नहीं, बल्कि इतिहास की जीवंत स्मृति है, जो आने वाली पीढ़ियों को देशभक्ति की प्रेरणा देती रहेगी। उन्होंने कहा कि चानकु महतो न केवल एक महान स्वतंत्रता सेनानी थे, बल्कि अधिकारों की रक्षा हेतु जनचेतना के अग्रदूत भी थे।

राज्यपाल महोदय ने चानकु महतो के प्रसिद्ध नारे 'आपोन माटी, आपोन दाना, पेट काटी निही खजाना' को करते हुए उनके नेतृत्व में संताल परगना में हुए आंदोलन को हूल क्रांति से पूर्व की बड़ी जनक्रांति बताया। उन्होंने कहा कि वीर चानकु महतो जी ने अपने साथियों के साथ मिलकर संगठित आंदोलन प्रारंभ किया। ऐतिहासिक हूल क्रान्ति में भी सिदो–कान्हु के नेतृत्व में सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि उन्हें साहेबगंज जिलान्तर्गत भोगनाडीह में वीर सिदो–कान्हु की जन्मस्थली जाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ तथा वहां वे उनके वंशजों से भी मिले।

माननीय राज्यपाल ने स्वतंत्रता सेनानियों की विरासत को संजोने की आवश्यकता पर बल देते हुए विश्वविद्यालयों के छात्र–छात्राओं से आह्वान किया कि वे इन महापुरुषों के ग्रामों में जाकर शोध करें और उनके योगदान को इतिहास में उचित स्थान दिलाने हेतु प्रयास करें। राज्यपाल महोदय ने वीर शहीद चानकु महतो स्मारक समिति को इस सराहनीय पहल हेतु बधाई दी और कहा कि यह प्रतिमा आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रप्रेम की प्रेरणा देती रहेगी।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने पूर्वी सिंहभूम जिलान्तर्गत धालभूमगढ़ स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय का अवलोकन किया। उक्त अवसर पर उन्होंने विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों एवं व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। राज्यपाल महोदय ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी बेटियां आज हर क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। विद्यालय की छात्राओं ने राज्यपाल महोदय को अवगत कराया कि विद्यालय में कराटे, पेंटिंग, परेड जैसी गतिविधियों का नियमित प्रशिक्षण दिया जाता है। इस अवसर पर छात्राओं द्वारा नाटक का भी मंचन किया गया।

बिहार आई बैंक ट्रस्ट की बैठक

नेत्रदान हेतु जागरुकता कार्यक्रम चले : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार की अध्यक्षता में बिहार आई बैंक ट्रस्ट की राज भवन में बैठक आयोजित की गयी। बैठक में ट्रस्ट की वर्तमान गतिविधियों, भावी योजनाओं और संगठनात्मक स्वरूप पर विस्तृत चर्चा की गई। राज्यपाल महोदय ने उक्त अवसर पर कहा कि झारखण्ड राज्य के गठन को दो दशक से अधिक समय बीत चुका है, इसके बावजूद ट्रस्ट का नाम अब भी "बिहार आई बैंक ट्रस्ट" ही है। उन्होंने इसके नाम में शीघ्र परिवर्तन हेतु निर्देशित किया।

राज्यपाल महोदय ने सभी ट्रस्टी से कहा कि यह ट्रस्ट लोगों को बेहतर नेत्र उपचार की सुविधा उपलब्ध कराकर समाज में एक विशिष्ट पहचान स्थापित करे। उन्होंने कहा कि बिहार आई बैंक ट्रस्ट नेत्र रोगों के उपचार एवं नेत्रदान को बढ़ावा देने के लिए जन–जागरुकता कार्यक्रमों को भी बढ़ावा दे। माननीय राज्यपाल ने कहा कि उनके द्वारा बरेली में प्रति वर्ष नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाता है और हजारों लोगों के नेत्र का निःशुल्क ऑपरेशन कराया जाता है।बैठक में बिहार आई बैंक ट्रस्ट में आयुष्मान भारत योजना का लाभ लोगों को प्रदान करने तथा ट्रस्ट की वित्तीय स्थिति और संसाधनों के विविध स्रोतों पर भी विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ. नितिन मदन कुलकर्णी, स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री अजय कुमार सिंह, वित्त विभाग के सचिव श्री प्रशांत कुमार, संयुक्त सचिव, राज्यपाल सचिवालय श्रीमती अर्चना मेहता, ट्रस्ट की सचिव डॉ. प्रोन्नति सिन्हा सहित अन्य ट्रस्टीगण उपस्थित थे।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से माननीय केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी ने राज भवन में शिष्टाचार भेंट की।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी ने राज भवन में शिष्टाचार भेंट की।

जनजातीय आचार्य प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशाला का समापन समारोह

संस्कारों की शिक्षा देना अत्यंत सराहनीय : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने विद्या विकास समिति, झारखण्ड द्वारा आचार्य प्रशिक्षण केंद्र, कुदलुंग, नगड़ी, रांची में आयोजित जनजातीय आचार्य प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशाला के समापन समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय चिंतन, संस्कृति और जीवन मूल्यों पर आधारित शिक्षा को जनजातीय क्षेत्रों तक पहुंचाने का यह प्रयास वास्तव में प्रशंसनीय है। इस कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न जिलों से आए 387 आचार्यों की उपस्थिति रही। उन्होंने कहा कि आपके कार्यों के बारे में पहले भी सुना था व समझता था, किन्तु आज प्रत्यक्ष रूप से देखकर अत्यन्त हर्ष हुआ। माननीय राज्यपाल ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को शुभकामनाएं दीं तथा महिला आचार्यों की उपस्थिति को विशेष रूप से सराहते हुए कहा कि जब एक नारी शिक्षित होती है तो पूरा समाज शिक्षित होता है और यहां का दृश्य जनजातीय समाज में शिक्षा की गहरी जड़ें और महिलाओं की अग्रणी भूमिका का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि विद्या विकास समिति के अंतर्गत झारखण्ड में 213 औपचारिक विद्यालय और 209 सरस्वती संस्कार केन्द्रों के माध्यम से ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा सुलभ करायी जा रही है, नगर की उपेक्षित बस्तियों में संस्कारयुक्त निःशुल्क शिक्षा भी प्रदान की जा रही है, यह अत्यंत ही सराहनीय है। उन्होंने इसे सशक्त सामाजिक सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। राज्यपाल महोदय ने प्रसन्नता व्यक्त की कि जनजातीय समाज के शिक्षित युवक–युवतियां अपने गांव और समाज के बच्चों को न केवल अक्षर और अंक ज्ञान, बल्कि उससे भी अधिक महत्वपूर्ण संस्कारों की शिक्षा दे रहे हैं। राज्यपाल महोदय ने 'विद्या भारती' की उस संकल्पना की सराहना की जिसमें यह स्पष्ट उद्देश्य है कि कोई भी मूल्यपरक शिक्षा से वंचित न रहे। उन्होंने आचार्यगणों से आह्वान किया कि वे अपने–अपने क्षेत्रों में केवल शिक्षक नहीं, बल्कि संस्कारों के संवाहक बनें।

अमृत भारत स्टेशन योजना

मजबूत रेल नेटवर्क देश की प्रगति का आधार : राज्यपाल

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के अंतर्गत वर्चुअल माध्यम से पुनर्विकसित स्टेशनों के उद्घाटन व राष्ट्र को समर्पण के अवसर पर माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारतीय रेलवे का तेजी से आधुनिकीकरण हो रहा है। 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के अंतर्गत विकसित हो रहे स्टेशन केवल आधारभूत संरचनाओं का विस्तार नहीं हैं, बल्कि यह नए भारत की सशक्त तस्वीर और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण पहल है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि झारखण्ड के तीन प्रमुख स्टेशन राजमहल, शंकरपुर एवं गोविंदपुर रोड अब आधुनिक सुविधाओं से युक्त होकर यात्रियों को सुविधा का अनुभव कराएंगे। उन्होंने कहा कि झारखण्ड में 53,597 करोड़ की लागत से विभिन्न रेलवे परियोजनाएं प्रगति पर हैं। उन्होंने कहा कि 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के तहत कई स्टेशनों को विश्व स्तरीय स्वरूप में विकसित किया जा रहा है, जो राज्य के पर्यटन, व्यापार, कृषि और रोजगार के क्षेत्र में दूरगामी प्रभाव डालेगा। उन्होंने इस बात पर भी विशेष बल दिया कि इन स्टेशनों का विकास दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाएं, महिला यात्रियों की सुरक्षा, स्वच्छता, डिजिटलीकरण और हरित ऊर्जा के मानकों के अनुरूप किया गया है।

माननीय राज्यपाल ने कहा कि झारखण्ड जैसे खनिज–समृद्ध राज्य के लिए एक मजबूत रेलवे नेटवर्क राज्य की आर्थिक प्रगति का आधार है। इन स्टेशनों के माध्यम से स्थानीय उत्पादों की देशव्यापी पहुंच और युवाओं को रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे। राज्यपाल महोदय ने रेलवे मंत्रालय, इंजीनियरों, कर्मचारियों एवं स्थानीय प्रशासन को सफल परियोजना के लिए बधाई दी और आह्वान किया कि सभी मिलकर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 'विकसित भारत @2047' के संकल्प को साकार करें।

दीक्षा भूमि, नागपुर

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने दीक्षा भूमि, नागपुर में भगवान बुद्ध की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

उन्होंने वहां भारतीय संविधान के निर्माता भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा ज्ञानभूमि परिसर का अवलोकन किया।

राज्यपाल महोदय ने इस ऐतिहासिक स्थल का भ्रमण करते हुए कहा कि इस पावन भूमि में बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने बौद्ध धम्म की दीक्षा लेकर सामाजिक न्याय, समानता और मानवीय गरिमा के मूल्यों को नया जीवन प्रदान किया। उन्होंने कहा कि बाबासाहेब द्वारा रचित भारतीय संविधान देश के प्रत्येक नागरिक के अधिकारों की रक्षा करता है।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार माननीय लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला के साथ रांची स्थित माननीय रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ के आवास पर गए। इस अवसर पर माननीय मंत्री के परिवारजनों, शहर के गणमान्य नागरिकों एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा दोनों विशिष्ट अतिथियों का आत्मीय स्वागत व अभिनंदन किया गया।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने पूर्व सांसद डॉ. यदुनाथ पाण्डेय द्वारा लिखित पुस्तक 'A Hand Book of Anthropological Thought' का राज भवन में विमोचन किया। राज्यपाल महोदय ने डॉ. पाण्डेय को पुस्तक के लेखन हेतु बधाई व शुभकामनाएं दीं।

बहरागोड़ा में 'प्रतिभा सम्मान समारोह-2025' का आयोजन

युवा प्रतिभाएं राष्ट्र की असली पूंजी : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने पूर्वी सिंहभूम जिले के बहरागोड़ा में आशीर्वाद संस्था द्वारा आयोजित 'प्रतिभा सम्मान समारोह-2025' में 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बहरागोड़ा बहुभाषी और बहुसांस्कृतिक विरासत से समृद्ध है, जहां की प्रतिभाओं ने शिक्षा, कला और सामाजिक सेवा के माध्यम से देश-विदेश में झारखण्ड का गौरव बढ़ाया है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी उसकी युवा पीढ़ी होती है। जब विद्यार्थी कठिन परिस्थितियों में भी उत्कृष्टता प्राप्त करते हैं, शिक्षक समाज निर्माण में योगदान देते हैं और नागरिक जन सेवा में योगदान देते हैं, तो यही हमारे राष्ट्र की सच्ची नींव बनाते हैं। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं को सम्मानित किए जाने की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से न केवल विद्यार्थियों को प्रोत्साहन मिलता है, बल्कि यह समाज को भी सकारात्मक दिशा प्रदान करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे संस्कार, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी को जीवन में प्राथमिकता दें तथा अपने ज्ञान और ऊर्जा का उपयोग समाज एवं राष्ट्र के निर्माण में करें।

राज्यपाल महोदय ने छात्र-छात्राओं के साथ सादगीपूर्ण वातावरण में भोजन ग्रहण व संवाद किया। राज्यपाल महोदय को छात्र/छात्राएं अपने साथ सहज भाव से भोजन पर देख अत्यंत हर्षित थे। माननीय राज्यपाल के इस व्यवहार ने वहाँ उपस्थित सभी के हृदय को स्पर्श किया और अनेक लोगों ने उन्हें स्नेहपूर्वक 'पीपुल्स गवर्नर' की संज्ञा दी।

विश्व पर्यावरण दिवस – 2025

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने 'विश्व पर्यावरण दिवस' के अवसर पर राज भवन परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। राज्यपाल महोदय ने सभी नागरिकों से अपने जीवन में अधिक–से–अधिक वृक्षारोपण करने का आह्वान किया और प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनने का आग्रह किया।

विश्व पर्यावरण दिवस एवं 'देवनद-दामोदर महोत्सव-2025'

हमें पारिस्थितिक संतुलन बनाना ही होगा : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने बोकारो के तेलमच्चो में युगान्तर भारती द्वारा आयोजित 'देवनद-दामोदर महोत्सव-2025' में बतौर मुख्य अतिथि सम्मिलित होकर सभी को विश्व पर्यावरण दिवस और गंगा दशहरा की शुभकामनाएं दीं। राज्यपाल महोदय ने अपने संबोधन में कहा कि यह दुर्लभ संयोग है कि आज हम पर्यावरण के वैश्विक सरोकार और अपनी सनातन परंपरा 'गंगा अवतरण', दोनों को एक साथ मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध झारखण्ड में नदियां, वनों और पर्वतों का संरक्षण केवल दायित्व नहीं, हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग है।

माननीय राज्यपाल ने 'दामोदर' नदी को झारखण्ड की जीवन रेखा बताते हुए इसके प्रदूषण का उल्लेख करते हुए कहा कि औद्योगिक विकास के साथ हमें पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखना होगा। नदियों की स्वच्छता केवल शासन या संस्थाओं की नहीं, हम सभी नागरिकों की सामूहिक जिम्मेदारी है। राज्यपाल महोदय ने संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित इस वर्ष की पर्यावरण दिवस की थीम प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने का उल्लेख करते हुए पॉलिथीन और सिंगल यूज़ प्लास्टिक के प्रयोग को त्यागने का आह्वान किया। उन्होंने सुझाव दिया कि राज्य के सभी शैक्षणिक संस्थानों, कार्यालय परिसरों एवं सार्वजनिक स्थलों को नो प्लास्टिक ज़ोन घोषित करना होगा। माननीय राज्यपाल ने सभी नागरिकों, युवाओं, औद्योगिक प्रतिष्ठानों और प्रशासन से आह्वान किया कि वे पर्यावरण एवं नदियों के संरक्षण के लिए एकजुट होकर कार्य करें, ताकि आने वाली पीढ़ियां एक स्वच्छ, सुरक्षित और जीवनदायी धरती प्राप्त कर सकें।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि के अवसर पर राज भवन में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ. नितिन मदन कुलकर्णी सहित राज भवन के अन्य पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने भी भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धा–सुमन अर्पित किया

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि के अवसर पर कोकर स्थित उनके समाधि स्थल पर जाकर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। राज्यपाल महोदय ने इस अवसर पर भगवान बिरसा मुंडा के महान योगदान को नमन करते हुए कहा कि उनका जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उनका साहस, संघर्ष और मातृभूमि के प्रति समर्पण सभी को अपने कर्तव्यों के प्रति दृढ़ संकल्पित होने की प्रेरणा देते हैं।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि के अवसर पर बिरसा चौक जाकर वहां स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

वनवासी कल्याण केंद्र, झारखण्ड एवं श्रीहरि वनवासी विकास समिति

झारखण्ड के कार्यों की माननीय राज्यपाल ने की सराहना

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने राज भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में वनवासी कल्याण केंद्र, झारखण्ड से संबद्ध श्रीहरि वनवासी विकास समिति, झारखण्ड द्वारा जनजातीय अंचलों में शिक्षा, संस्कार और सामाजिक जागरण के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि वनवासी क्षेत्रों में शिक्षा का प्रचार–प्रसार सदैव एक बड़ी चुनौती रहा है। दूरस्थ गांवों की भौगोलिक स्थिति, सीमित संसाधन, सामाजिक संकोच और आर्थिक बाधाओं के बावजूद यदि कोई संगठन निःस्वार्थ भाव से शिक्षा के दीप जलाता है, तो वह केवल विद्यालय नहीं, अपितु भविष्य, आत्मबल और सामाजिक दिशा भी गढ़ता है।

राज्यपाल महोदय ने प्रसन्नता व्यक्त की कि समिति द्वारा वर्तमान में राज्य के 11 जिलों के 6 प्रखंडों में 80 सरस्वती शिशु विद्या मंदिर संचालित किए जा रहे हैं, जिनमें 26 उच्च विद्यालय तथा 54 प्राथमिक एवं मध्य विद्यालय शामिल हैं। इन विद्यालयों में 17,500 से अधिक छात्र–छात्राएं, 1951 गांवों से आकर अध्ययन कर रहे हैं। उन्होंने इन विद्यालयों की शैक्षणिक उपलब्धियों को अत्यंत प्रेरणादायक बताया।

माननीय राज्यपाल ने तपकरा विद्यालय के पूर्व छात्र श्री सोहन यादव का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए कहा कि उनका इसरो में वैज्ञानिक के रूप में चंद्रयान–2 और चंद्रयान–3 जैसे ऐतिहासिक अभियानों में योगदान देना यह सिद्ध करता है कि यदि अवसर और मार्गदर्शन मिले, तो वनवासी बच्चे भी राष्ट्र को गौरवान्वित कर सकते हैं, उनमें प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। उन्होंने समिति द्वारा संचालित निःशुल्क निर्माण कोचिंग सेंटर के माध्यम से संघ लोक सेवा आयोग एवं राज्य लोक सेवा आयोग जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में किए जा रहे योगदान की सराहना की। इस अवसर पर राज्यपाल महोदय द्वारा सुमन रमेश तुलस्यानी ट्रस्ट, मुंबई द्वारा विवेकानंद विद्यालय, लचरागढ़ (सिमडेगा) के लिए प्रदत्त दो नवीन स्कूल बसों को झंडी दिखाकर शुभारंभ किया गया।

प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम

संघर्ष ही बनेगा सफलता की सीढ़ी : राज्यपाल

दैनिक समाचार पत्र 'प्रभात खबर' द्वारा गुरु नानक हायर सेकेंडरी स्कूल, पी.पी. कंपाउंड, रांची में 'प्रतिभा सम्मान समारोह' आयोजित किया गया। माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने समारोह में सम्मिलित होकर असाधारण प्रदर्शन करने वाले छात्र–छात्राओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि प्रभात खबर न केवल एक समाचार पत्र के रूप में, बल्कि झारखण्ड की जनभावनाओं की सशक्त अभिव्यक्ति के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि समाचार पत्र केवल सूचनाओं का माध्यम नहीं, अपितु जनचेतना और सामाजिक दिशा का वाहक होता है। उन्होंने 10वीं और 12वीं कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि इन बच्चों की सफलता न केवल उनके परिवारों के लिए, बल्कि पूरे झारखण्ड राज्य के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि सच्ची प्रतिभा केवल परीक्षा में प्राप्त अंकों से नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की क्षमता से मापी जाती है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे शिक्षा को केवल रोजगार का साधन न मानें, बल्कि उसे समाज और राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व का माध्यम बनाएं।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से पुलिस अधीक्षक (नगर), रांची श्री अजीत कुमार एवं पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण), रांची श्री प्रवीण पुष्कर ने राज भवन में शिष्टाचार भेंट की। भेंट के क्रम में, राज्यपाल महोदय ने रांची जिले में विधि–व्यवस्था की स्थिति पर चर्चा करते हुए दोनों पदाधिकारियों को कानून–व्यवस्था को सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाए रखने हेतु निदेशित किया।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने धुर्वा, रांची स्थित केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) की 133वीं बटालियन पहुंचकर झारखण्ड–उड़ीसा सीमावर्ती क्षेत्र में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान हुए विस्फोट में शहीद 134वीं बटालियन के सहायक उप निरीक्षक सत्यवान कुमार सिंह जी के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। राज्यपाल महोदय ने कहा कि हमारे सुरक्षा बलों के अद्वितीय योगदान को राष्ट्र कभी भुला नहीं सकता।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से जम्मू और कश्मीर के माननीय उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा ने राज भवन में शिष्टाचार भेंट की।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से माननीय केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ ने राज भवन में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर दोनों के मध्य विभिन्न समसामयिक विषयों पर चर्चा हुई।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

राज भवन में सामूहिक योगाभ्यास का आयोजन

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार की गरिमामयी उपस्थिति में 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' के अवसर पर राज भवन के बिरसा मंडप में सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें राज भवन परिवार के सदस्यों एवं आमंत्रित स्कूली बच्चों ने सक्रियता से भाग लिया। राज्यपाल महोदय ने कहा कि योग भारत की ओर से सम्पूर्ण विश्व को दिया गया एक अनुपम उपहार है। यह केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के सामंजस्य का विज्ञान है। उन्होंने कहा कि योग जीवन को संतुलित करने की कला है और इसके अभ्यास से हम स्वस्थ शरीर, शांत चित्त एवं ऊर्जावान जीवन की ओर अग्रसर होते हैं। उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में योग को वैश्विक पहचान मिली और 21 जून को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' के रूप में मान्यता मिलना भारत की सांस्कृतिक शक्ति का प्रतीक है।

कार्यक्रम में स्कूली बच्चों की सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि योग बच्चों और युवाओं के लिए केवल स्वास्थ्य का नहीं, बल्कि एकाग्रता, आत्मबल और अनुशासन का भी माध्यम है। उन्होंने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे प्रतिदिन योग करें और समाज में योग के प्रचार-प्रसार हेतु अन्य लोगों को भी प्रेरित करें।

ICAI रांची शाखा का राष्ट्रीय सम्मेलन

चार्टर्ड अकाउंटेंट्स राष्ट्र की वित्तीय रीढ़ : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (ICAI) रांची शाखा द्वारा सेलिब्रेशन बैंक्वेट हॉल, करमटोली, रांची में एक राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। राज्यपाल महोदय ने अपने संबोधन में कहा कि हर्ष का विषय है कि ICAI देश की एक प्रतिष्ठित संस्था है, जिसने भारत की अर्थव्यवस्था को पारदर्शी, अनुशासित और उत्तरदायी बनाने में अनुकरणीय योगदान दिया है। यह संस्था केवल कर सलाहकार नहीं, बल्कि ऐसे वित्तीय प्रहरी तैयार करती है जो राष्ट्र की आर्थिक नींव को सुदृढ़ बनाते हैं।

राज्यपाल महोदय ने चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को वित्तीय पारदर्शिता, आर्थिक अनुशासन और सुशासन के स्तंभ बताते हुए कहा कि रांची शाखा झारखण्ड में कर–जागरूकता, वित्तीय विवेक और नैतिक व्यावसायिकता को सुदृढ़ करने की दिशा में प्रयासरत है। उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ते भारत का उल्लेख करते हुए कहा कि इस दिशा में ICAI और उससे जुड़े पेशेवरों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण और निर्णायक है।

राज्यपाल महोदय ने यह भी कहा कि झारखण्ड प्राकृतिक संसाधनों और मानवशक्ति से समृद्ध राज्य है, परंतु संसाधनों का सुशासन, पारदर्शी प्रबंधन और वित्तीय अनुशासन आवश्यक है। उन्होंने ICAI जैसी संस्थाओं से राज्य सरकार एवं उद्योगों के साथ भागीदारी के नए रास्ते तलाशने का आह्वान किया। राज्यपाल महोदय ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन व्यवसाय और शासन के बीच संवाद का मंच बनते हैं, जिससे नीतियां ज़मीनी स्तर तक प्रभावी रूप से पहुंचती हैं। उन्होंने युवा चार्टर्ड अकाउंटेंट्स से कहा कि आप केवल आर्थिक सलाहकार नहीं हैं, आप राष्ट्र की वित्तीय रीढ़ हैं। आपके व्यवहार में ईमानदारी, समय पालन और सामाजिक जिम्मेदारी की झलक अवश्य होनी चाहिए। यही मूल्य इस पेशे को सम्मान और भरोसे का पर्याय बनाते हैं। राज्यपाल महोदय ने आयोजकों को सफल आयोजन के लिए बधाई दी और प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

गुमला के भलमंडा में बालिका छात्रावास का लोकार्पण

शिक्षा और संस्कार से ही सशक्त समाज का निर्माण संभव : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने गुमला जिले के रायडीह प्रखंड अंतर्गत बिन्देश्वरी लाल साहू सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, भलमण्डा में बालिका छात्रावास का लोकार्पण किया। राज्यपाल महोदय ने अपने संबोधन में सर्वप्रथम परमवीर चक्र से सम्मानित शहीद वीर लांसनायक अल्बर्ट एक्का के योगदान का उल्लेख करते हुए उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि प्रसन्नता है कि विद्या विकास समिति, झारखण्ड द्वारा सैकड़ों विद्यालयों के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में कार्य किए जा रहे हैं, यह संगठन वर्षों से झारखण्ड के दूरस्थ ग्रामों एवं जनजातीय अंचलों में शिक्षा, संस्कार एवं सामाजिक चेतना के क्षेत्र में उल्लेखनीय भूमिका निभा रहा है।

राज्यपाल महोदय ने मातुश्री काशीबा हरिभाई गोटी चेरिटेबल ट्रस्ट, सूरत, गुजरात ट्रस्ट द्वारा नवनिर्मित 236वां सरस्वती धाम (बालिका छात्रावास) के लोकार्पण के संदर्भ में कहा कि यह छात्रावास केवल एक भवन नहीं, बल्कि ग्रामीण एवं जनजातीय अंचल की बालिकाओं के स्वावलंबन, आत्मबल और उज्ज्वल भविष्य का आधार बनेगा। उन्होंने इस छात्रावास के निर्माण में सहयोग प्रदान हेतु ट्रस्ट को बधाई दी। राज्यपाल महोदय ने कहा कि शिक्षा वही जो संस्कार दे और संस्कार वही जो समाज को दिशा दे। यह छात्रावास उसी विचार का मूर्त रूप है।

बिशुनपुर में वृक्षारोपण व बाल संवाद

शिक्षा सामाजिक विकास की आधारशिला : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने गुमला जिले के बिशुनपुर प्रखंड स्थित ज्ञान निकेतन विद्यालय परिसर में विकास भारती संस्था द्वारा आयोजित वृक्षारोपण महोत्सव एवं बाल संवाद कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षा समाज के सतत विकास की आधारशिला है और समाज के हर वर्ग को इस दिशा में सजगता और गंभीरता से प्रयास करने की आवश्यकता है।

राज्यपाल महोदय ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आप सभी भारत के भविष्य हैं। नियमित रूप से पढ़ाई करें, मेहनत और लगन के साथ आगे बढ़ें। यही मार्ग आपको तरक्की की ओर ले जाएगा। माननीय राज्यपाल ने पद्मश्री श्री अशोक भगत जी के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उनके प्रयास समाज के लिए अत्यंत आवश्यक, अनुकरणीय और प्रेरणादायक हैं। उन्होंने विकास भारती संस्था द्वारा शिक्षा, स्वावलंबन और जनजातीय उत्थान के लिए किए जा रहे कार्यों को सामाजिक परिवर्तन का सशक्त माध्यम बताया। राज्यपाल महोदय ने विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद करते हुए कहा कि अगली बार जब वे यहां आएंगे, तो बच्चों के साथ भोजन करेंगे। राज्यपाल महोदय ने विकास भारती बिशुनपुर की विभिन्न गतिविधियों का अवलोकन भी किया।

झारखंड में पर्यटन व फ़िल्म के क्षेत्र में अपार संभावनाएं : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने लातेहार जिले के नेतरहाट स्थित लोअर घाघरी क्षेत्र में चल रही हिंदी फीचर फिल्म "सहिया" की शूटिंग स्थल का अवलोकन किया। फिल्म के सेट पर पहुंचकर राज्यपाल महोदय ने फिल्म निर्माण से जुड़ी पूरी टीम से संवाद किया और उनके प्रयासों की सराहना की। राज्यपाल महोदय ने कहा कि यह क्षेत्र प्रकृति की अनुपम देन है, जहां घाटियां, जलप्रपात और हरियाली एक अद्भुत सिनेमाई पृष्ठभूमि प्रस्तुत करते हैं। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र न केवल पर्यटन के लिए, बल्कि फिल्म निर्माण के लिए भी अपार संभावनाओं से भरा है। उन्होंने कहा कि फ़िल्म निर्माण हेतु अधिक से अधिक निर्माता–निर्देशक झारखण्ड आएं।

विदित हो कि फिल्म "सहिया" के निर्माता संजय शर्मा हैं। फिल्म में मुख्य भूमिकाओं में लोकप्रिय युवा अभिनेता शांतनु महेश्वरी, वरिष्ठ कलाकार नीरज काबी, रमन गुप्ता और अभिनेत्री रिंकू राजू शामिल हैं। राज्यपाल महोदय ने फिल्म की विषयवस्तु, लोकेशन चयन, तकनीकी पक्ष तथा स्थानीय कलाकारों की भागीदारी के बारे में विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने कहा कि यह हर्ष का विषय है कि फिल्म में झारखण्ड के स्थानीय कलाकारों एवं तकनीशियनों को भी अवसर दिया जा रहा है। यह राज्य की प्रतिभा के लिए एक प्रेरणादायक अवसर है।

राज्यपाल महोदय ने फिल्म निर्माण दल का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि झारखण्ड की प्राकृतिक संपदा, संस्कृति और सौहार्द्रपूर्ण वातावरण फिल्म उद्योग को नई दिशा प्रदान करने में सक्षम हैं। आशा है कि झारखण्ड आने वाले वर्षों में एक प्रमुख फिल्म शूटिंग स्थल के रूप में उभरेगा।

माननीय राज्यपाल का नेतरहाट प्रवास

नेतरहाट विद्यालय झारखण्ड की गरिमा का प्रतीक रहा है : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने नेतरहाट प्रवास के दौरान नेतरहाट आवासीय विद्यालय का भ्रमण किया तथा वहां की विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों का अवलोकन किया। उन्होंने विद्यालय परिसर में पुस्तकालय, प्रयोगशालाओं सहित विभिन्न शैक्षणिक विभागों का निरीक्षण किया और विद्यार्थियों को उपलब्ध संसाधनों की जानकारी ली।

राज्यपाल महोदय को विद्यालय के प्राचार्य द्वारा विद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियां, अनुशासन, शिक्षण पद्धति तथा विद्यार्थियों के समग्र विकास हेतु किए जा रहे नवाचारों से अवगत कराया गया। राज्यपाल महोदय ने विद्यालय की शैक्षणिक परंपरा, अनुशासित वातावरण तथा प्राकृतिक सौंदर्य से युक्त परिसर की सराहना की। उन्होंने कहा कि नेतरहाट विद्यालय न केवल झारखण्ड, बल्कि पूरे देश की शैक्षणिक गरिमा का प्रतीक है। यहां से शिक्षा प्राप्त कर चुके विद्यार्थियों ने देश-विदेश में विद्यालय व राज्य का नाम रोशन किया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह संस्थान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की अपनी गौरवशाली परंपरा को निरंतर बनाए रखेगा।

इसके उपरांत, माननीय राज्यपाल ने नेतरहाट स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का भी अवलोकन किया। उन्होंने चिकित्सा सुविधाओं, उपलब्ध दवाओं तथा स्थानीय निवासियों को दी जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली। राज्यपाल महोदय ने नेतरहाट क्षेत्र में लगभग 100 एकड़ में फैले नाशपाती बागान का भी भ्रमण किया। उन्हें जानकारी दी गई कि यहां 'नट' किस्म के नाशपाती भी हैं, जो अपने स्वाद एवं गुणवत्ता के लिए जाने जाते हैं।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने दीपाटोली, रांची स्थित क्यूरेस्टा अस्पताल पहुंचकर वहां भर्ती पूर्व अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी श्री विमल लकड़ा के स्वास्थ्य की जानकारी ली। राज्यपाल महोदय ने वहां उपस्थित चिकित्सकों से श्री लकड़ा के उपचार की प्रगति के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की और उनके शीघ्र पूर्ण स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने कहा कि श्री विमल लकड़ा ने हॉकी के क्षेत्र में देश एवं राज्य को गौरवान्वित किया है। सम्पूर्ण राज्यवासी उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंतित हैं और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रहे हैं।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से माननीय केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने राज भवन में शिष्टाचार भेंट की। राज्यपाल महोदय ने राज्यवासियों को रातू रोड एलिवेटेड फ्लााईओवर एवं गढ़वा–रेहला फोरलेन बाईपास समर्पित करने के साथ–साथ राज्य में विभिन्न राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की सौगात देने हेतु केंद्रीय मंत्री के प्रति हार्दिक आभार प्रकट किया। उन्होंने विभिन्न परियोजनाओं की स्वीकृति और प्रगति में उनके द्वारा किए जा रहे सक्रिय प्रयासों हेतु बधाई दी।

XLRI सभागार, जमशेदपुर में डूरंड कप 2025 की ट्रॉफी का भव्य अनावरण

झारखण्ड की मिट्टी में खेलों का संस्कार है : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने जमशेदपुर स्थित प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान XLRI के सभागार में डूरंड कप 2025 ट्रॉफी अनावरण समारोह को संबोधित करते हुए इसे झारखण्ड के लिए गौरव का क्षण बताया और कहा कि डूरंड कप जैसी प्रतिष्ठित प्रतियोगिता का हिस्सा बनना झारखण्ड की खेल संस्कृति के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि यह आयोजन न केवल खेल भावना को प्रोत्साहित करेगा, बल्कि पर्यटन, स्थानीय व्यवसाय और युवाओं के मनोबल को भी सशक्त बनाएगा। उन्होंने कहा कि फुटबॉल एक ऐसा खेल है जो गली–कूचों से निकलकर स्टेडियम और फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का सपना जगाता है। यह खेल अवसरों की समानता का प्रतीक है, जो ग्रामीण और शहरी, सभी पृष्ठभूमि के युवाओं को एक समान मंच प्रदान करता है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि झारखण्ड की मिट्टी में खेलों का संस्कार है। राज्य के अनेक गांवों में बच्चे बड़े उत्साह से फुटबॉल एवं अन्य खेलों में भाग लेते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश में खेलों के क्षेत्र में अनेक क्रांतिकारी पहलें हुई हैं, जिनमें 'खेलो इंडिया', 'टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (TOPS)' जैसी योजनाएं विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। उन्होंने हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा पारित 'राष्ट्रीय खेल नीति 2025' को एक दूरदर्शी कदम बताते हुए कहा कि यह नीति भारत को वैश्विक खेल महाशक्ति बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

नावाडीह में प्रतिभा सम्मान समारोह

कठिनाइयों से प्रतिभा नहीं छिपती : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने बोकारो जिलान्तर्गत बिनोद बिहारी महतो स्टेडियम, नावाडीह में आयोजित 'प्रतिभा सम्मान समारोह' में प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल विद्यार्थियों को सम्मानित करने का नहीं, बल्कि स्व. बिनोद बिहारी महतो जी के विचारों और कार्यों को स्मरण करने का भी एक सशक्त अवसर है। उन्होंने कहा कि स्व. बिनोद बिहारी महतो एक महान विचारक, समाज–सुधारक और शिक्षा व क्षेत्रीय अस्मिता के प्रति समर्पित नेता थे, जिन्होंने विषम परिस्थितियों में भी शिक्षा और सामाजिक चेतना के माध्यम से समाज में परिवर्तन की अलख जगाई।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि ऐसे आयोजन ग्रामीण प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के साथ–साथ समाज में सकारात्मकता का संदेश देते हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में वे बहरागोड़ा में आयोजित 'प्रतिभा सम्मान समारोह–2025' में गये थे और वहां उन्होंने बच्चों के साथ भोजन और संवाद किया था, जो बहुत सुखद अनुभव रहा।

राज्यपाल महोदय ने विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं को सम्मानित करने की सराहना की और कहा कि अवसर केवल शहरों तक सीमित नहीं है, गांव–कस्बों के बच्चे भी विकास के समान केंद्र हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप भारत के भविष्य हैं। कठिनाइयां आएंगी, लेकिन अगर हौसले बुलंद हों तो कोई भी सीमा आपकी प्रतिभा को आगे बढ़ने से नहीं रोक सकती। उन्होंने बच्चों को ईमानदारी, परिश्रम, धैर्य और समर्पण के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया।

रांची कैंसर समिट–2025 का उद्घाटन किया

कैंसर की लड़ाई में चिकित्सा के साथ मानवीय संवेदना भी शामिल हो : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने होटल रेडिशन ब्लू, रांची में 'रांची कैंसर समिट–2025' के उद्घाटन के अवसर पर कहा कि कैंसर एक ऐसी जटिल बीमारी है, जो न केवल व्यक्ति के शरीर को, बल्कि पूरे परिवार की मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक स्थिरता को भी गहराई से प्रभावित करती है। ऐसे में इसकी चिकित्सा में मानवीय संवेदना, भरोसा और अपनत्व भी उतने ही आवश्यक हैं, जितनी औषधियां।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि झारखण्ड जैसे राज्य में, जहां दूरदराज़ और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं अब भी एक बड़ी चुनौती हैं, वहां कैंसर जैसी बीमारियों की समय पर पहचान और समुचित उपचार हेतु समर्पित प्रयास अत्यंत आवश्यक हैं। माननीय राज्यपाल ने कहा कि 'आयुष्मान भारत' योजना माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की एक क्रांतिकारी पहल है, जिससे गरीब एवं वंचित वर्ग को निःशुल्क और गुणवत्तापूर्ण इलाज उपलब्ध कराने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। लेकिन इस योजना की पूर्ण सफलता तभी संभव है जब चिकित्सक, अस्पताल, राज्य सरकारें और समाज मिलकर सामूहिक उत्तरदायित्व के साथ कार्य करें।

राज्यपाल महोदय ने चिकित्सकों को "वैद्य नारायणो हरिः" कहते हुए उन्हें जीवनदाता बताया और कहा कि सेवा, करुणा और समर्पण को मूल में रखकर यदि चिकित्सा कार्य हो तो हर कैंसर पीड़ित के जीवन में आशा की किरण जाग सकती है।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से सीमा सुरक्षा बल (BSF) के प्रशिक्षण केंद्र एवं विद्यालय, मेरु कैंप, हजारीबाग के महानिरीक्षक श्री धीरेंद्र संभाजी कुटे एवं अन्य वरीय अधिकारियों ने राज भवन में शिष्टाचार भेंट की।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने धुर्वा, रांची स्थित केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) की 133वीं बटालियन पहुंचकर बोकारो जिले के गोमिया थाना अंतर्गत बिरहोरडेरा जंगल में नक्सल विरोधी अभियान में शहीद 209 कोबरा इकाई के सीआरपीएफ जवान प्राणेश्वर कोच के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। राज्यपाल महोदय ने कहा कि हमारे सुरक्षा बलों के अद्वितीय योगदान को राष्ट्र कभी भुला नहीं सकता।

श्री शिबू सोरेन से दिल्ली स्थित गंगाराम अस्पताल में भेंट कर स्वस्थ होने की कामना की

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने झारखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद श्री शिबू सोरेन जी से दिल्ली स्थित गंगाराम अस्पताल में भेंट कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली तथा उपस्थित चिकित्सकों से उनके उपचार की प्रगति के संबंध में चर्चा की एवं ईश्वर से उनके शीघ्र पूर्ण रूप से स्वस्थ होने की कामना की।

राज्यपाल महोदय ने श्री कड़िया मुंडा के स्वास्थ्य की जानकारी ली

राज्यपाल महोदय ने भगवान महावीर मणिपाल (मेडिका) अस्पताल जाकर श्री कड़िया मुंडा के स्वास्थ्य की जानकारी ली। माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार आज रांची स्थित भगवान महावीर मणिपाल (मेडिका) अस्पताल पहुंचे और वहाँ इलाजरत लोकसभा के पूर्व उपाध्यक्ष श्री कड़िया मुंडा से भेंट कर उनका कुशलक्षेम जाना। राज्यपाल महोदय ने वहाँ उपस्थित चिकित्सकों से श्री कड़िया मुंडा के स्वास्थ्य की स्थिति एवं उपचार की प्रगति की जानकारी प्राप्त की। माननीय राज्यपाल ने कहा कि श्री कड़िया मुंडा सादगी और जनसेवा के प्रतीक हैं। उन्होंने ईश्वर से उनके शीघ्र पूर्ण स्वस्थ होने की प्रार्थना की।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने माननीय केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी से नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दोनों के मध्य विभिन्न समसामयिक विषयों पर सकारात्मक चर्चा हुई।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री अर्जुन राम मेघवाल से नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट की ।

माननीय मुख्य न्यायाधीश श्री तरलोक सिंह चौहान को माननीय राज्यपाल ने दिलायी शपथ

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने राज भवन स्थित बिरसा मंडप में माननीय न्यायमूर्ति श्री तरलोक सिंह चौहान को झारखण्ड राज्य उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के पद की शपथ दिलाई। राज्यपाल महोदय ने माननीय मुख्य न्यायाधीश को शपथ ग्रहण के उपरांत हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दीं।

इससे पूर्व राज्य की मुख्य सचिव श्रीमती अलका तिवारी ने माननीय न्यायमूर्ति श्री तरलोक सिंह चौहान का झारखण्ड राज्य उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के पद पर नियुक्ति संबंधी वारंट को पढ़ा तथा राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ. नितिन कुलकर्णी द्वारा माननीय मुख्य न्यायाधीश को शपथ ग्रहण हेतु आमंत्रित किया गया।

उक्त अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन, विधानसभा अध्यक्ष श्री रबीन्द्र नाथ महतो, राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष श्री बाबूलाल मरांडी, राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री अर्जुन मुंडा, झारखण्ड उच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीशगण, पूर्व न्यायाधीशगण, भारतीय प्रशासनिक व पुलिस सेवा के वरीय अधिकारीगण तथा झारखण्ड उच्च न्यायालय के पदाधिकारीगण व वरीय अधिवक्तागण उपस्थित थे।

जिला स्कूल • सिर्फ अंकों के लिए ही नहीं, बल्कि धैर्य, समर्पण और आत्मविश्वास की भी होती है परीक्षा

परीक्षा पे चर्चा...गवर्नर बोले-तनाव मुक्त व स्पष्ट विजन के साथ एग्जाम का सामना करें परीक्षार्थी

युवा समाज को आगे बढ़ाने में दें योगदान: गवर्नर

बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय एग्रोटेक किसान मेला संपन्न

राज्यपाल ने कहा- जब अन्नदाता सुखी होंगे, तभी हम सब भी सुखी रह सकेंगे

किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य दिलाने का प्रयास हो

होटवार में 68वीं अखिल भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट-2025 का उद्घाटन

राज्यपाल ने कहा... पुलिस राष्ट्र की सुरक्षा, शांति और कानून-व्यवस्था का मजबूत आधार

नमो ई लाइब्रेरी की शुरुआत ऐतिहासिक पहल: गवर्नर

- नमो ई-लाइब्रेरी सह साइबरपीस कम्युनिटी सेंटर का हुआ उद्घाटन
- विकसित भारत संकल्प को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

PREZ MURMU REACHES RANCHI FOR TWO-DAY VISIT, WELCOMED BY GUV GANGWAR

Raj Kumar

दीपाटोली में ईस्टर्न कमांड अलंकरण समारोह का आयोजन

सेना के वीर योद्धा देशवासियों के लिए प्रेरणा : राज्यपाल

राष्ट्रपति से मिले राज्यपाल, राज्य के विकास पर की चर्चा

राज्य ब्यूरो, जागरण, रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने शनिवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। यह उनकी शिष्टाचार भेंट थी। इस क्रम में राज्यपाल ने राष्ट्रपति के साथ राज्य पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने इस अवसर पर राजभवन द्वारा प्रकाशित 'राज भवन पत्रिका' की प्रति राष्ट्रपति को भेंट की। यह पत्रिका 31 जुलाई 2024 से 31 जनवरी 2025 तक राजभवन, झारखंड की

प्रधानमंत्री से राज्यपाल ने राज्य के विकास पर चर्चा की

रांची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने मंगलवार को नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट की और राज्य के विकास व विधि-व्यवस्था से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की। राज्यपाल ने इस अवसर पर राजभवन, रांची द्वारा प्रकाशित "राज भवन पत्रिका" की प्रति प्रधानमंत्री को भेंट की। विदित हो कि यह पत्रिका 31 जुलाई 2024 से 31 जनवरी 2025 तक राज भवन, झारखंड की विभिन्न गतिविधियों पर आधारित है।

कृषि वैज्ञानिक ज्यादा समर्पण से काम करें, गांवों में समय बि

बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय एग्रोटेक किसान मेला [illegible] छह किसान किए गए सम्मानित, कांके मे

3,000 15

1000 208

केंद्रीय गृह मंत्री से मिले राज्यपाल राज्य की कानून-व्यवस्था पर चर्चा

बिहार की समृद्ध विरासत प्रेरणादायक

बिहार और झारखंड का नाता दिल का: डॉ राजभूषण

शारीरिक व मानसिक विकास के लिए खेल जरूरी

राज्यपाल ने किया खेलकूद प्रतियोगिता का उद्घाटन

RU hosts first-ever sports and cultural convocation

युवाओं से उम्मीद, करेंगे गौरवान्वित : राज्यपाल

झारखंड राय विवि के पांचवें दीक्षांत समारोह में 393 विद्यार्थियों को मिली डिग्री

विद्यार्थियों के बल पर भारत आगे बढ़ रहा है : अर्जुन

योगी आदित्यनाथ से मिले झारखंड के गवर्नर

रांची. झारखंड के गवर्नर संतोष कुमार गंगवार की मंगलवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात हुई. यह शिष्टाचार मुलाकात बरेली स्थित विकास भवन में हुई. इस मुलाकात के दौरान दोनों के बीच उत्तर प्रदेश व ...

समाज की उन्नति का मूल आधार है नारी सम्मान

दैनिक जागरण का वीमेन अचीवर्स सम्मान समारोह

लोगों से प्रेम और आदर मिलना ही असली सम्मान

शोध कार्यों में मौलिकता नवाचार जरूरी: गवर्नर

गोस्सनर कॉलेज के सम्मेलन में विकसित भारत पर विमर्श

रांची विवि के 38वें दीक्षांत समारोह में छात्राओं की दिखी गोल्डन मुस्कान

नयी इबारत लिख रहीं बेटियां

स्वर्णिम इतिहास रच रहीं हैं बेटियां : राज्यपाल

Governor Santosh Kumar Gangwar with residents of Odisha and Rajasthan during Rajasthan and Odisha Foundation Day celebrations at Raj Bhawan in Ranchi on Thursday. PNS

विद्या विकास समिति के आचार्य प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

आचार्य केवल शिक्षक नहीं, बल्कि संस्कारों के संवाहक भी बनें : गवर्नर

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने आचार्यों से कहा कि वे अपने-अपने क्षेत्र में केवल शिक्षक ही नहीं, बल्कि संस्कारों के संवाहक बनें. अपने लिए तो सभी जीते हैं, लेकिन जो दूसरों के लिए जीते हैं, वास्तव में वही जीते हैं. समाज ऐसे लोगों को सदैव स्मरण रखता है, जो अपने जीवन को समाज के उत्थान के लिए समर्पित करते हैं. भारतीय चिंतन, संस्कृति और जीवन मूल्यों पर आधारित शिक्षा को जनजातीय क्षेत्रों तक पहुंचाने का विद्या विकास का यह प्रयास वास्तव में प्रशंसनीय है. राज्यपाल बुधवार को विद्या विकास समिति, झारखंड द्वारा आचार्य प्रशिक्षण केंद्र, कुटलूंग, नगड़ी में आयोजित जनजातीय आचार्य प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह में बोल रहे थे.

आचार्य प्रशिक्षण केंद्र नगड़ी में आयोजित जनजातीय आचार्य प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल राज्यपाल और अन्य.

राज्यपाल ने कहा कि जब एक नारी शिक्षित होती है, तो पूरा समाज शिक्षित होता है. जनजातीय समाज के शिक्षित युवा अपने गांव और समाज के बच्चों को न केवल अक्षर और अंक ज्ञान, बल्कि उससे भी अधिक महत्वपूर्ण संस्कारों की शिक्षा दें. राज्यपाल ने कहा कि राजभवन का द्वार सदैव सभी के लिए खुला है. वे राज्य की प्रगति के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध हैं. कार्यक्रम का संचालन सुशाना कुमारी और धन्यवाद ज्ञापन विद्या भारती के प्रदेश मंत्री डॉ ब्रजेश कुमार ने किया.

ये थे उपस्थित : इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के क्षेत्र संघचालक देवव्रत पाहन, विद्या विकास समिति के प्रदेश अध्यक्ष राम अवतार नारसरिया, अखिल भारतीय जनजातीय प्रमुख सुभाष देशपांडे, कोषाध्यक्ष विष्णु कुमार जालान, प्रदेश सचिव नकुल कुमार शर्मा, जनजातीय शिक्षा प्रदेश मंत्री डॉ सुखी उरांव, झारखंड जनजातीय प्रमुख रेशु उरांव, झारखंड ओपेन यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ टीएन साहू सहित 264 प्रखंडों से आये आचार्य उपस्थित थे.

खुशियों की धरती के रूप में विख्यात है सिक्किम: राज्यपाल

वरीय संवाददाता

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने राज भवन में शुक्रवार को आयोजित सिक्किम राज्य स्थापना दिवस कार्यक्रम में झारखंड में निवास कर रहे सिक्किमवासियों को शुभकामनाएं दी। कहा कि हिमालय की गोद में स्थित सिक्किम अपने प्राकृतिक सौंदर्य और शांत वातावरण के लिए पूरे देश में प्रसिद्ध है। खुशियों की धरती के रूप में विख्यात यह राज्य केवल एक भौगोलिक क्षेत्र नहीं, बल्कि अपने नागरिकों के अदम्य साहस, जीवंत संस्कृति और अनुकरणीय विकास का प्रतीक है। राज्यपाल ने कहा कि सिक्किम जैविक कृषि, नवीकरणीय ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में देशभर में एक अनुकरणीय उदाहरण बनकर उभरा है। यह भारत का पहला ऐसा राज्य है, जिसने पूरी तरह से जैविक खेती को अपनाया। इको-टूरिज्म, स्वच्छ ऊर्जा और सतत विकास की अवधारणाओं को व्यवहार में लाकर सिक्किम ने यह सिद्ध किया है कि आधुनिकता और प्रकृति के बीच संतुलन संभव है। राज्यपाल ने कहा कि पर्यावरण-अनुकूल पर्यटन को बढ़ावा देकर सिक्किम ने न केवल अपनी आर्थिकी को सशक्त किया है, बल्कि संपूर्ण भारत के लिए हरित पर्यटन का एक आदर्श प्रस्तुत किया है। राज्यपाल ने यह भी कहा कि सिक्किम अपनी सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक कलाओं और लोक पर्वों को संरक्षण प्रदान करते हुए आधुनिक विकास के मार्ग पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि वे स्वयं भी सिक्किम का भ्रमण कर चुके हैं।इस अवसर पर स्वागत संबोधन करते राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ नितिन कुलकर्णी ने कहा कि सिक्किम आज राज्य की स्थापना के 50वां वर्षगांठ मना रहा है। यह राज्य आकार में भले छोटा हो, लेकिन हैप्पीनेस में अग्रणी है। जैविक कृषि, नागरिक उत्तरदायित्व और पर्यावरणीय सजगता में सिक्किम अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करता है।

सेना हो या अन्य काम, महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी जिम्मेदारी बेहतर तरीके से निभा रही हैं : राज्यपाल

कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय का राज्यपाल संतोष गंगवार ने लिया जायजा, छात्राओं की समस्या से हुए रूबरू

बेटियां हर क्षेत्र में बना रहीं कीर्तिमान : राज्यपाल

मानवता पर हमला कतई बर्दाश्त नहीं

■ तीन लाख लोगों ने एक जगह किया योग ■ आदिवासी छात्रों ने 108 मिनट में किया 108 बार सूर्य नमस्कार

योग का नया विश्व कीर्तिमान

प्रधानमंत्री मोदी ने योग को विश्व शांति के लिए पॉज बटन बताया

विशाखापत्तनम, विशेष संवाददाता। 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर शनिवार को दो विश्व कीर्तिमान बने। पहला तीन लाख से अधिक लोगों ने एक साथ एक स्थान पर योग किया। दूसरा, 22 हजार छात्रों ने 108 मिनट में 108 बार सूर्य नमस्कार किया। इस मौके पर विशाखापत्तनम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि योग ही दुनिया को जोड़ेगा। उन्होंने योग को विश्व शांति के लिए पॉज (विराम) बटन बताया।

प्रधानमंत्री मोदी ने रामकृष्ण बीच मैदान पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज दुनिया तनाव से गुजर रही है। कई क्षेत्रों में अशांति, अस्थिरता बढ़ रही है। ऐसे में योग से हमें शांति की दिशा मिलती है। कार्यक्रम के दौरान मोदी ने योगाभ्यास किया। उनके साथ आरके बीच रोड पर तीन लाख से अधिक लोग शामिल हुए।

मोदी ने विश्व समुदाय से आग्रह किया कि योग दिवस को मानवता के लिए योग 2.0 की शुरुआत के रूप में मनाएं ताकि आंतरिक शांति वैश्विक नीति बन जाए। मोदी ने आह्वान किया

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर शनिवार को विशाखापत्तनम के रामकृष्ण बीच मैदान में योग अभ्यास करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

रांची स्थित राजभवन में शनिवार को कार्यक्रम के दौरान योग करते गवर्नर संतोष गंगवार।

जो विश्व को शांति, अच्छे स्वास्थ्य की ओर ले जाए। योग सिर्फ निजी अभ्यास न रहे, वैश्विक भागीदारी का माध्यम बने। इससे हम ऐसे शांत, संतुलित और ...

से समाधान की ओर ले जाएगा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि योग दिवस पर कई वैश्विक ...

भुजंगासन का भी रिकॉर्ड

वडनगर में दो हजार से अधिक लोगों ने भुजंगासन करके विश्व रिकॉर्ड बनाया। ...

कम तेल का इस्तेमाल करें

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बढ़ते मोटापे का भी जिक्र किया। उन्होंने लोगों से खाने में तेल के इस्तेमाल में 10 फीसदी ... किया।

योग है संतुलन कला: गवर्नर

रांची। योग दिवस पर शनिवार को झारखंड में कई कार्यक्रम हुए। राजभवन में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि योग जीवन संतुलन की कला है।

अवसर मिले, तो वनवासी बच्चे भी कर सकते हैं बेहतर : गवर्नर

राजभवन में वनवासी कल्याण केंद्र के कार्यक्रम का उद्घाटन करते राज्यपाल.

□ वनवासी कल्याण केंद्र सराहनीय कार्य कर रहा है : राज्यपाल

विशेष संवाददाता, रांची

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि वनवासी क्षेत्रों में शिक्षा का प्रचार-प्रसार सदैव एक बड़ी चुनौती रहा है. दूरस्थ गांवों की भौगोलिक स्थिति, सीमित संसाधन, सामाजिक संकोच और आर्थिक बाधाओं के बावजूद यदि कोई संगठन निःस्वार्थ भाव से शिक्षा के दीप जलाता है, तो वह केवल विद्यालय नहीं बल्कि भविष्य, आत्मबल और सामाजिक दिशा भी गढ़ता है. राज्यपाल ने उक्त बातें गुरुवार को राजभवन में आयोजित वनवासी कल्याण केंद्र ... कार्यक्रम में कहीं. इस मौके पर राज्य... ने तपकरा विद्यालय के पूर्व छात्र ... यादव का विशेष रूप से उल्लेख ... उन्होंने कहा कि मोहन का ...

वैज्ञानिक के रूप में चंद्रयान-2 और ... अभियानों में ...

कार्यक्रम • संतोष गंगवार ने बहरागोड़ा में 120 मेधावी छात्रों को किया सम्मानित, विद्यार्थियों के साथ किया भोजन

शिक्षा से ही होगा विकास, विद्यार्थी अच्छे इंसान बनकर समाजहित में सहभागी बनें : राज्यपाल

सांसद ने स्वास्थ्य सेवाओं पर जताई चिंता

पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत नए युग में कर चुका है प्रवेश : संतोष गंगवार

चाकुलिया के मालुकबिंधा में शहीद चानकु महतो की प्रतिमा का किया अनावरण

सेना के शौर्य और पराक्रम पर देश को गर्व : राज्यपाल

भास्कर इंटरव्यू विधायिका व न्यायपालिका में अधिकार क्षेत्र को लेकर छिड़ी बहस के बीच भास्कर की राज्यपाल से

भास्कर : आप राज्यपाल हैं, सक्रिय राजनेता की तरह क्षेत्रों का दौरा करते हैं, यह कितना प्रभावी?

गंगवार : राज्यपाल का दायित्व है कि वे राज्य के नागरिकों को नजदीक से देखे व

राज्यपाल एक संवैधानिक पद है। जब राज्यपाल राजनेता की तरह क्षेत्रों का दौरा करते हुए अधिकारियों को निर्देश देते हैं, तो सवाल उठता है कि क्या यह प्रभावी है। विधायिका और न्यायपालिका के बीच अधिकार क्षेत्र को लेकर बहस क्यों छिड़ी है। इसका निदान क्या है। ऐसे कई सवाल हैं, जो आज उठ खड़े हुए हैं। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने भास्कर से खास बातचीत में इन विषयों पर बेबाकी से अपनी बात रखी। राज्यपाल ने झारखंड के विकास और संभावनाओं पर भी अपना दृष्टिकोण रखा। झारखंड अब तक क्यों संपन्न राज्य में शामिल नहीं हो सका, इसे लेकर भी अपनी चिंता व्यक्त की। पढ़िए, एग्जीक्यूटिव एडिटर अशोक कुमार के साथ राज्यपाल संतोष गंगवार की विस्तृत बातचीत...।

• राज्यपाल का सीधे अधिकारियों को निर्देश देना कितना उचित है?

-राज्यपाल का दायित्व राज्य सरकार का मार्गदर्शन करना और अपनी संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन करना है। अपने कर्तव्य के निष्पादन के क्रम में राज्य के भौगोलिक एवं सामाजिक परिस्थितियों से अवगत होना जरूरी है। क्षेत्रों का दौरा करने से नागरिकों की वास्तविक समस्याओं से रू-ब-रू होने तथा जमीनी हकीकत को जानने का मौका मिलता है। कई समस्याओं का समाधान मात्र स्थानीय अधिकारियों से उसी स्थान पर चर्चा करने से हो जाता है। मेरे विचार से राज्यपाल का यह दायित्व है कि वे अपने राज्य के नागरिकों को नजदीक से देखे और समझे। झारखंड में अनुसूचित क्षेत्र भी है। अनुसूचित क्षेत्रों के प्रशासन में संविधान द्वारा राज्यपाल को विशिष्ट जिम्मेदारियां दी गई हैं। क्षेत्र की वास्तविक जानकारी के बिना इन जिम्मेदारियों को निभाना संभव नहीं है। क्षेत्र भ्रमण तथा नागरिकों से सीधे संवाद राज्यपाल को ही नहीं, बल्कि जनप्रतिनिधियों के लिए भी आवश्यक है।

• विधायिका और न्यायपालिका के बीच अधिकार क्षेत्र को लेकर बहस चल रही है। आप इसे किस रूप में देखते हैं?

-भारत के संविधान में विधायिका, न्यायपालिका एवं कार्यपालिका के अधिकारों को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है। प्रत्येक संस्थाओं को अपने संवैधानिक मर्यादाओं के तहत काम करना चाहिए। कभी-कभार अधिकार क्षेत्र में अतिक्रमण को लेकर विषम स्थिति उत्पन्न होती है। ऐसे समय में आपसी समन्वय व संवाद से समस्याओं का समाधान निकाला जा सकता है। हमें यह हमेशा याद रखना चाहिए कि ये सभी प्रणाली देश के नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए है।

• तीन विश्वविद्यालय में 2 वर्षों से कुलपति का पद रिक्त है। कई कॉलेजों में प्राचार्य के पद भी रिक्त हैं। विश्वविद्यालयों में हजारों शिक्षकों का पद खाली है। बहाली कब तक संभव है?

-झारखंड में उच्च शिक्ष... नहीं है। उच्च शिक्षा प्र... की आवश्यकता है। ह... नियुक्ति की गई है। दो... के पद पर नियुक्ति की... में है। राज्य के कॉलेजे... विश्वविद्यालयों में शिक्ष... पर नियुक्ति के बिना उ... सुधार संभव नहीं है। मैं... शिक्षा विभाग तथा झार... का ध्यान आकृष्ट करा... आयोग के अध्यक्ष का... कुछ माह तक प्रक्रिया... कि शीघ्र ही प्रक्रिया पू...

News Paper : ...

शैक्षणिक गरिमा का प्रतीक है नेतरहाट : राज्यपाल

संतोष गंगवार ने नेतरहाट **आवासीय विद्यालय**, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और नाशपाती बागान का लिया जायजा

झारखंड में पर्यटन के साथ फिल्म के क्षेत्र में हैं अपार संभावनाएं : गंगवार

राजभवन में बंगाल स्थापना दिवस समारोह

दूसरे राज्यों की भाषा-संस्कृति का भी करें आदर

स्थापना दिवस पर राज्यपाल से शुक्रवार को मिलने पहुंचे बंगाली समाज के प्रतिनिधि।

बोले राज्यपाल

रांची, हिन्दुस्तान ब्यूरो। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि हमें न केवल अपनी भाषा और संस्कृति का सम्मान करना चाहिए, बल्कि अन्य राज्यों की भाषा और संस्कृति का भी आदर करना चाहिए। इस दिशा में हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आरंभ किया गया 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' एक दूरदर्शी पहल है, जिसका उद्देश्य भारत के विभिन्न राज्यों के बीच एकता, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और आपसी समझ को सुदृढ़ बनाना है।

राज्यपाल शुक्रवार को राज भवन में आयोजित पश्चिम बंगाल स्थापना दिवस समारोह में झारखंड में निवास कर रहे बंगालवासियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारा भारतवर्ष विविधताओं का देश है। यहां की भाषाएं, परंपराएं, संस्कृति और रीति-रिवाज अत्यंत समृद्ध हैं।

बंगाल की भूमि सृजन विचार और चेतना की

राज्यपाल ने कहा कि बंगाल की भूमि सृजन, विचार और सांस्कृतिक चेतना की भूमि रही है। इस राज्य ने राष्ट्रीय निर्माण में ऐतिहासिक योगदान दिया है। बंगाल पुनर्जागरण से लेकर स्वतंत्रता संग्राम तक इस भूमि ने ऐसे महान चिंतकों, लेखकों, कवियों और क्रांतिकारियों को जन्म दिया, जिन्होंने हमारी राष्ट्रीय चेतना पर अमिट छाप छोड़ी। इस भूमि ने रवींद्रनाथ टैगोर, शरतचंद्र, बंकिमचंद्र जैसे साहित्य के स्तंभ दिए।

Guv appreciates works for education and awareness in tribal areas

PNS : RANCHI

Governor Santosh Kumar Gangwar while appreciating the work being done by Hari Vanvasi Vikas Samiti, Jharkhand, affiliated to Vanvasi Kalyan Kendra, Jharkhand, for education, culture and social awakening in tribal areas in a program organised at Raj Bhavan today, said that promotion of education in tribal areas has always been a big challenge. Despite the geographical location of remote villages, limited resources, social isolation and economic constraints, if any organisation selflessly lights the lamp of education, then it not only builds a school, but also shapes the future, self-confidence and social direction.

The Governor expressed happiness that the Samiti is currently running 40 Saraswati Shishu Vidya Mandirs in 6 blocks of 11 districts of the state, which include 29 high schools and 51 primary and middle schools. More than 17,300 students from 1951 villages are studying in these schools.

Describing the educational achievements of these schools as extremely inspiring, he said that out of 1200 students who appeared in the matriculation examination this year, 25 students have scored more than 90%, while 58 students have scored more than 85% marks. He described Binay Kumar and Sumant Singh of Simdega becoming district toppers, Anuj Kumar Sahu securing fourth position in the district and Sera Kumari of Gumla securing fifth position in the district as a strong expression of tribal talent.

The Governor specially mentioned Sohan Yadav, a former student of Tapovan Vidyalaya, and said that his contribution as a scientist in ISRO in important missions like Chandrayaan-2 and Chandrayaan-3 proves that if given opportunity and guidance, tribal children can also make the nation proud. There is no dearth of talent in them. He appreciated the contribution being made in the preparation of competitive examinations like Union Public Service Commission and State Public Service Commission through the free Sarathi Coaching Centre run by the committee. He also said that Vanvasi Kalyan Kendra is not limited to only schools, but is also working in important areas like social upliftment, village development, health, culture, nation-building and leadership development, which is highly commendable. On this occasion, the Governor flagged off two new ambulances provided by Suman Ramesh Tulsyani Trust, Mumbai for Vivekanand Vidyalaya, Lachragarh (Simdega). He said that these are not just a means of transport, but a symbol of the journey of education, progress and social change.

एक्सएलआरआई जमशेदपुर में डूरंड कप 2025 की ट्रॉफी का भव्य अनावरण

झारखंड की मिट्टी में खेलों का संस्कार है : राज्यपाल

ग्राउंड तैयार नहीं होने से रांची में एक भी मैच नहीं

फेडरेशन कप, आइ लीग भी हो चुका है शिफ्ट

डूरंड कप से झारखंड में खेल को मिलेगा बढ़ावा : गवर्नर

प्रतिभा सम्मान समारोह : डुमरी विधानसभा क्षेत्र के 41 टॉपर विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

शिक्षा केवल निजी प्रगति का माध्यम नहीं, राष्ट्र और समाज के प्रति भी उत्तरदायित्व : राज्यपाल

टॉपर्स को सम्मानित करते राज्यपाल व विधायक जयराम।

विधायक जयराम महतो ने अपने वेतन का 75% विद्यार्थियों को किया समर्पित

विद्यार्थी देश के भविष्य, हमेशा बड़ा सोचें

4 टॉपर्स को लैपटॉप और 37 को टैब

नितिन गडकरी ने राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से की शिष्टाचार भेंट

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से गुरुवार को केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने राज भवन में शिष्टाचार भेंट की। राज्यपाल ...

10वीं व 12वीं की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले ग्रामीण विद्यार्थियों को राज्यपाल ने किया सम्मानित

सूबे का विकास के लिए सदैव तत्पर: राज्यपाल

प्रतिभा सम्मान

ये पुलिस-प्रशासनिक पदाधिकारी थे

शहीद जवान को लोकभवन/ मुख्यालय में दी गई अंतिम विदाई

व्यर्थ नहीं जाएगी शहादत : राज्यपाल

प्रतिभा को सम्मान : डुमरी के मैट्रिक-इंटर के 40 टॉपरों को राज्यपाल ने लैपटॉप-टैब और 72 अन्य मेधावी विद्यार्थियों को प्रशस्तिपत्र देकर किया सम्मानित

हमेशा बड़ा सोचें, सफलता के लिए ऐसा लक्ष्य चुनें जो सोने न दें : गंगवार

राज्यपाल ने जाना विमल लकड़ा का हाल-चाल

PIC: DAINIK JAGRAN I NEXT

राज्यपाल व डॉ संजय ने अस्पताल में की मुलाकात

ranchi@inext.co.in

RANCHI (3 July): राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने मंगलवार को रांची के दीपाटोली स्थित क्यूरेस्टा अस्पताल पहुंचकर वहां भर्ती पूर्व अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी विमल लकड़ा के स्वास्थ्य की जानकारी ली. उन्होंने क्यूरेस्टा हॉस्पिटल के प्रबंध निदेशक डॉ. संजय कुमार से ...

... पूरे राज्य के लिए चिंता का विषय है. राज्यवासी उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रहे हैं. उन्होंने डॉक्टरों की टीम से आग्रह किया कि विमल लकड़ा को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए.

डॉक्टरों की लगातार निगरानी

राज्य के विश्वविद्यालयों के वीसी संग गवर्नर ने की बैठक

विवि में एक व्यक्ति, एक पद का सख्ती से पालन हो : गवर्नर

एजुकेशन रिपोर्टर | रांची

राज्यपाल सह कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार ने राज्य के सभी विश्वविद्यालयों में प्रशासनिक सुधार की दिशा में कड़ा संदेश देते हुए 'एक व्यक्ति, एक पद' के सिद्धांत को सख्ती से लागू करने का निर्देश दिया है। साथ ही नीड बेस्ड असिस्टेंट प्रोफेसर (सेवानिवृत्त) का एक कॉलेज से दूसरे कॉलेज में तबादले पर भी रोक लगा दी गई है।

राज्यपाल ने यह निर्देश सोमवार को राजभवन में आरयू, डीएसपीएमयू समेत आठ विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ हुई समीक्षा बैठक में दिए। बैठक में अपर मुख्य सचिव नितिन मदन कुलकर्णी, आरयू के वीसी प्रो. दिनेश कुमार सिंह, डीएसपीएमयू के वीसी अंजनी कुमार मिश्र समेत अन्य विश्वविद्यालयों के वीसी मौजूद थे।

राज्यपाल ने कहा कि किसी भी व्यक्ति को विश्वविद्यालय में एक से अधिक पदों पर कार्य करने की अनुमति नहीं होगी। यह पारदर्शिता और कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए जरूरी है। लेकिन आरयू-डीएसपीएमयू में कई अधिकारी एक साथ कई पदों पर कार्यरत हैं। आरयू में सीसीडीसी डॉ. पीके झा एफओ भी हैं, और परीक्षा नियंत्रक संजय कुमार सिंह राजनीति ...

कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए यह जरूरी

नीड बेस्ड असिस्टेंट प्रोफेसर के तबादले पर रोक होगी

राज्यपाल ने स्पष्ट किया कि नीड बेस्ड असिस्टेंट प्रोफेसर जहां नियुक्त हुए हैं, वहीं काम करेंगे। तबादले पर पूरी तरह रोक है। कई मामलों में देखा गया है कि राजधानी से ग्रामीण क्षेत्र में ट्रांसफर होने पर शिक्षकों ने नौकरी छोड़ दी।

परीक्षा खत्म होने के एक माह के भीतर रिजल्ट दें

विश्वविद्यालयों को परीक्षा खत्म होने के एक महीने के भीतर रिजल्ट जारी करने का आदेश दिया गया है। यह कदम छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है, ताकि उन्हें आगे की पढ़ाई और नौकरी के अवसर समय पर मिल सकें।

बिना रुचि वाले वोकेशनल कोर्स होंगे बंद: राज्यपाल ने निर्देश दिया कि ऐसे वोकेशनल कोर्स जिन्हें छात्रों द्वारा पसंद नहीं किया जा रहा, उन्हें तत्काल बंद किया जाए। शिक्षा की गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय जरूरी है।

क्षमता अनुसार नामांकन लें विश्वविद्यालय: विश्वविद्यालयों को निर्देश दिया गया है कि वे अपनी आधारभूत संरचना की क्षमता के अनुसार ही छात्रों का नामांकन लें, ताकि शिक्षा की गुणवत्ता से समझौता न हो। कई प्रोफेशनल कोर्स में छात्रों की संख्या क्षमता से अधिक है, जिससे पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

समीक्षा बैठक • गवर्नर ने एकेडमिक कैलेंडर का पालन और समय पर परीक्षा लेने का दिया निर्देश

झारखंड में उच्च शिक्षा...एडमिशन रेशियो राष्ट्रीय औसत से 10% कम, रिसर्च और इनोवेशन सुस्त

एजुकेशन रिपोर्टर | रांची

शिक्षकों के वादा नहीं लेने की मिल रही शिकायत

पदस्थापन पर ज़ीरो टॉलरेंस अपनाया विवि

प्लेसमेंट सेल मात्र औपचारिकता नहीं रहे

Guv urges students to serve society at 5th Convocation of Marwari College

PNS : RANCHI

Governor-cum-Chancellor of Universities of Jharkhand Santosh Kumar Gangwar, participated in the 5th graduation ceremony of Marwari College, Ranchi, held at Vivekananda Auditorium of the college on Tuesday and encouraged the graduating students.

The Governor said that this occasion is a moment of joy and pride not only for the students but also for their parents, teachers and the entire college family and degrees are not just academic achievements, but they are a proof of discipl... new chapter of life.

The Governor called upon the students to not consider knowledge as a mere means of getting employment, but to make it a means of bringing about positive change in the society and also said that a diverse and promising country like India needs innovation, ideas and sensitivity.

The Governor said in his address that today our country has established itself as the fourth largest economy of the world and is rapidly moving towards 'Developed India @ 2047' and the youth of the country will play a decisive role in ... tions in various fields like science, arts, administration, education, entrepreneurship and social service.

The Governor also said that he is fully committed to improving the quality of the universities of the State and continuous efforts are being made in this direction. He also shared that in the last one year he has participated in the convocations of various universities of the State and has got the opportunity to interact with the students and that he is extremely happy to see the energy, tal...

are not only joining the mainstream of higher education today, but are also showing excellence in academic performance. The Governor also mentioned that in various convocations he has seen that ...

India.

The Governor urged the students to move forward with confidence, humility and service spirit and said that not only degrees but direction and vision are also necessary in life. He said that if you ...

मारवाड़ी कॉलेज की पांचवीं ग्रेजुएशन सेरेमनी में 2600 विद्यार्थियों में बंटी डिग्रियां, राज्यपाल ने देश में योगदान की किया प्रेरित

टॉपरों में बेटियों की बढ़ती संख्या नए भारत की तस्वीर: राज्यपाल

राजभवन का आदेश...फीस रिफंड पॉलिसी की अनदेखी नहीं करें सरकारी व निजी विवि

यूजीसी : निर्धारित अवधि तक एडमिशन कैंसिल कराने पर 100% फीस वापस करना है

एजुकेशन रिपोर्टर | रांची

उच्च शिक्षण संस्थानों में एडमिशन कैंसिल कराने के बाद शुल्क वापसी का प्रावधान है। लेकिन राज्य के कुछ विवि में यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन (यूजीसी) के फीस रिफंड पॉलिसी की अनदेखी करने का मामला प्रकाश में आया है। इससे संबंधित शिकायत राजभवन को भी मिली है। इसके बाद राजभवन ने राज्य के सभी सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों को फीस रिफंड पॉलिसी के प्रावधानों का पालन करने का निर्देश दिया है। राज्यपाल सह कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार के अपर मुख्य सचिव नितिन मदन कुलकर्णी ने राज्य के सभी विवि के कुलपतियों को पत्र लिखकर यूजीसी गाइडलाइन का पालन करने का निर्देश दिया है। बताते चलें कि यूजीसी फीस रिफंड पॉलिसी के अनुसार, अगर एडमिशन लेने के बाद छात्र किसी भी कारण से अपनी सीट छोड़ता है तो कॉलेज प्रबंधन को उसकी फीस वापस करनी पड़ेगी। इसके लिए समय सीमा निर्धारित है। छात्र अगर 30 सितंबर तक अपनी सीट छोड़ते हैं तो यूनिवर्सिटी या कॉलेज प्रबंधन उनकी पूरी फीस रिफंड करेगी। वहीं अगर 31 अक्टूबर तक सीट छोड़ते हैं, तो एक हजार प्रोसेसिंग फीस काटकर बाकी की फीस वापस करनी होगी। यूजीसी का कहना है कि जिन संस्थानों में एडमिशन प्रक्रिया 31 अक्टूबर के बाद भी जारी रहती है, तो एडमिशन के अंतिम तिथि से 15 दिन पहले आवेदन करने वाले छात्रों को 100 प्रतिशत फीस वापस करनी होगी।

अनदेखी पर कार्रवाई का प्रावधान: यूजीसी की रिफंड पॉलिसी की अनदेखी किए जाने पर संबंधित विश्वविद्यालय, कॉलेज और उच्च शिक्षण संस्थानों पर कार्रवाई हो सकती है। अगर कोई यूनिवर्सिटी या कॉलेज रिफंड पॉलिसी के नियमों का उल्लंघन करते हैं तो उन पर जुर्माना से लेकर मान्यता रद्द करने तक का प्रावधान है।

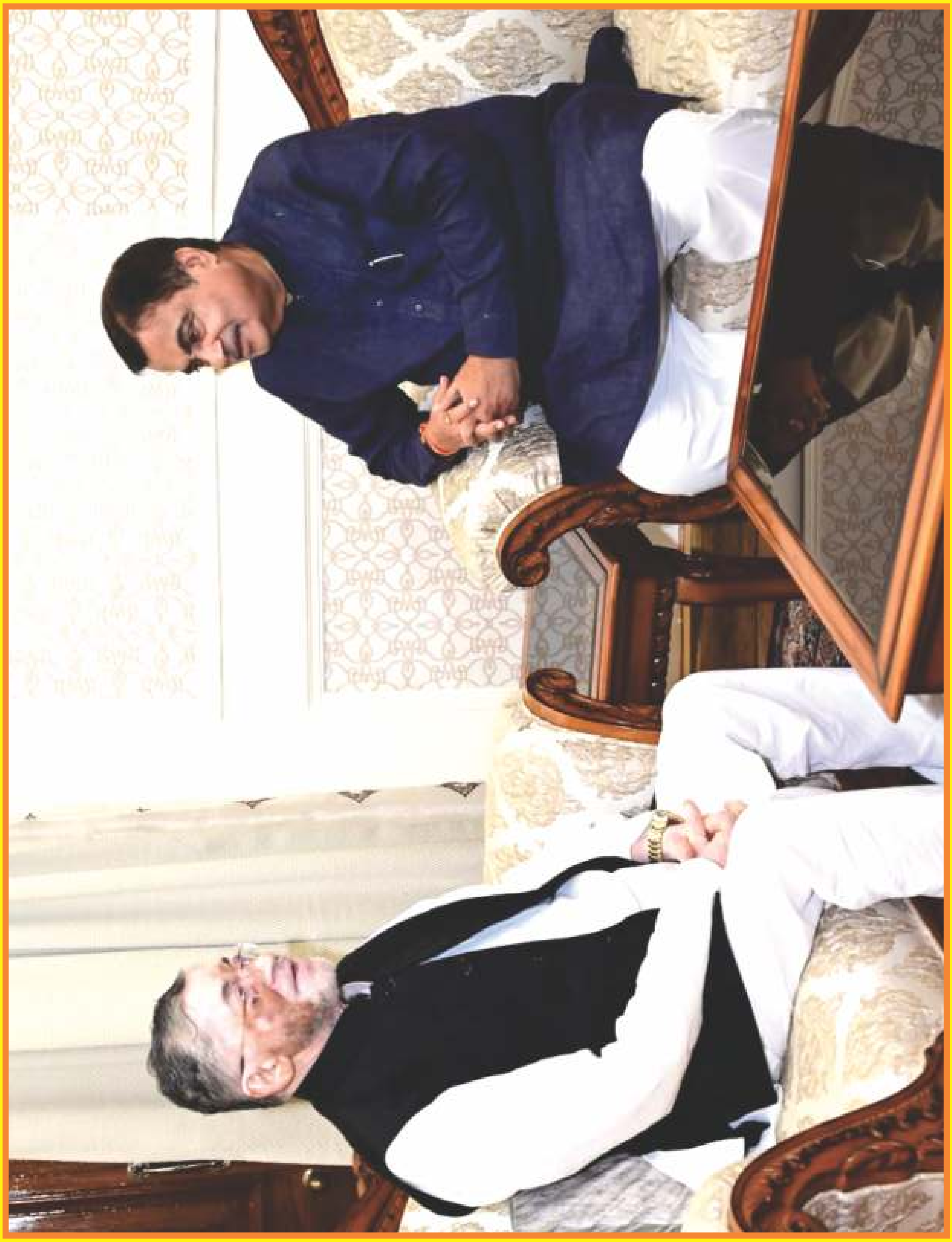

Setu Printers, 6202910205 / 06
Security Printing Press